

राजस्थान में कांग्रेस की हार की न तो किसी ने जिम्मेवारी ली और न ही इस्तीफा दिया

प्रदेश प्रभारी रंधावा और प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा की तरफ से इस्तीफे का कोई संकेत नहीं मिला है

**-रेणु मिश्र-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। किसी ने भी, हों किसी ने भी अब राजस्थान में कांग्रेस की हार की जिम्मेदारी नहीं नहीं ली है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा राजस्थान के प्रभारी रंधावा ने अपना त्याग पत्र देने के कोई संकेत नहीं दिये हैं, औपचारिकता के नाते भी नहीं। क्या वे बर्खास्त होने का इन्तज़ार कर रहे हैं। जयपुर यह आम कार्यकर्ताओं के द्वारा भी यह सवाल पूछा जा रहा है।

यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा पर भी लागू है, जिन्होंने मतगणना में दिनभर पिछड़ने के बाद

- गहलोत ने राज्यपाल से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया है क्योंकि ऐसा करना संवैधानिक मजबूरी है।
- हार के कारणों पर मंथन के लिए रंधावा और डोटासरा ने बैठक बुलाई थी पर जिसकी ज़िद ने पार्टी को यहां तक पहुंचाया वो बैठक में नहीं पहुंचे।
- अभी तक भी कांग्रेस विधायक दल की बैठक होने की भी कोई चर्चा नहीं है इस संबंध में निर्णय दिल्ली में होगा, जहां गहलोत खड़गे को अपने पक्ष में खड़ा होने के लिए तैयार कर सकते हैं।

अन्ततः अपना चुनाव जीत पाये थे।

डोटासरा ने भी हार की जिम्मेदारी लेते हुए अपने त्याग पत्र की पेशकश नहीं की है। दोनों ही अशोक गहलोत के इशारों पर काम करने वाले माने जाते हैं और वे गहलोत के कहे अनुसार ही कुछ करते हैं।

गहलोत को कल राज्यपाल से मिलना पड़ा था और और त्याग पत्र देना पड़ा था। यह उनका संवैधानिक कर्तव्य था, क्योंकि वे संख्या के खेल में हार गये थे और सत्ता में रहने का अधिकारी खो चुके थे। वरना गहलोत अपना त्याग पत्र देने में विश्वास करने वालों में नहीं जाने जाते हैं। वे अपनी कुर्सी पर चिपके रहने में विश्वास करते हैं।

सभी को उनका बार-बार दोहराया गया वाक्य याद है, “यदि मैं कुर्सी छोड़ना भी चाहूँ तो, कुर्सी मुझे नहीं छोड़ेगी। भविष्य में भी नहीं।” फिर एक दिन उन्होंने और भी रहस्यमय दावा दिया।” यदि मैं यह अनेक बार कह रहा हूँ, तो इसका कोई कारण अवश्य होगा।” जनता अभी भी वह कारण तलाश रही है।

रंधावा ने जयपुर वार रूम में एक बैठक बुलाई, परिणामों पर विचार करने तथा आकलन करने के लिए। डोटासरा उनके पास बैठे थे।

पर हार के लिये जिम्मेदार व्यक्ति कौन था, अशोक गहलोत? उन्होंने अपना दिन सरकारी निवास

पर आराम करते हुए बिताया।

क्या उन्होंने सामान पैक करना शुरू कर दिया है?

स्पष्ट नहीं है कि क्या वे यह जानते हैं कि नैतिकता का काका है कि मुख्यमंत्री का निवास यथा शीघ्र खाली कर दिया जाना चाहिए, ताकि नया मुख्यमंत्री वहाँ निवास कर सके।

सी.एल.पी. की कोई बैठक तय नहीं हुई है क्योंकि पार्टी को बैठक करके तथा सी.एल.पी. नेता चुनना होगा।

यह निर्णय दिल्ली में लिया जायेगा। हालाँकि, गहलोत खड़गे पर ‘दबाव’ बना रहे हैं उनका पक्ष लेने के लिये।

सचिन पायलट जो आज टोंक गये थे, ने कहा कि पार्टी को राजस्थान की हार पर खुल कर पूरी तरह से विचार करना चाहिये और हार के कारणों को स्पष्ट करना चाहिये।

उन्होंने गहलोत के लम्बे समय तक ओ.एस.डी. रहे लोकेश शर्मा के विस्फोटक व्यक्तित्व तथा दावों पर भी गहन विचार करने की मांग की।

अभी तक कांग्रेस कार्यकर्ता चुप है, पर बहुत से नेताओं के हार पर बोलने की संभावना है। रंधावा के व्यवहार पर सवाल उठेंगे, जो अशोक गहलोत की कठपुतली की तरह काम कर रहे थे और पार्टी के ऐसे शर्मनाक प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे।

अभी इंतज़ार करना होगा नए मु.मंत्री के लिए

**-रेणु मिश्र-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। भाजपा ने राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री की चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें अगले मुख्यमंत्री से सम्बंधित फीडबैक दिया।

- प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर नए मुख्यमंत्री के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पर भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रख कर ही कोई निर्णय लेगी।

सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही राजस्थान के लिए पर्यवेक्षकों की घोषणा कर दी जाएगी। उसके बाद पार्टी नेताओं से चर्चा की जाएगी। संभावना है कि पार्टी पहले मध्यप्रदेश, फिर छत्तीसगढ़ और फिर राजस्थान पर निर्णय करेगी। इस प्रक्रिया में कुछ दिन लग सकते हैं। पता चला है कि नरेन्द्र मोदी आगामी लोकसभा चुनावों को देखते हुए ऐसा निर्णय लेंगे जिससे पार्टी को लाभ हो।

अभी राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों पर भाजपा काबिज है और पार्टी इसे कायम रखना चाहेगी इसके लिए जातिगत और क्षेत्रवार समीकरणों का ध्यान रखना पड़ेगा। अन्ततोगत्वा पार्टी को उम्मीद है कि मोदी के नाम का जादू चलेगा और अंतिम फैसला वे ही करेंगे।

कांग्रेस की हार से सबसे ज्यादा खुश हैं ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व हासिल करने की कोशिश भी शुरू कर दी है

- बंगाल की राजनीति के कारण ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ बिल्कुल भी सहज नहीं है और इंडिया गठबंधन में इस राष्ट्रीय पार्टी के रूतबे को वे सहन नहीं कर पाती हैं।
- चुनाव नतीजों के बीच उन्होंने पार्टी प्रवक्ता के जरिए बयान दिलवा दिया कि, अब ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का चेहरा बना देना चाहिए।

के गठन के बाद ही इस बात पर जोर दिया था, लेकिन तब यह गणित चल नहीं पायी थी।

अब, विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार के बाद बनर्जी ने इण्डिया गठबंधन के प्रमुख पद के लिए सबसे पहले दावा किया। उन्हें एक बार फिर गंभीरता से शयद ही लिया जाए क्योंकि पश्चिम बंगाल से बाहर उनका एक भी विधायक नहीं है।

इतना ही नहीं, बंगाल के अलावा अन्य राज्यों में पार्टी की उपस्थिति ना होने के कारण चुनाव आयोग तृणमूल कांग्रेस को एक क्षेत्रीय पार्टी घोषित कर चुका है।

ममता ने कहा है कि कांग्रेस का विधानसभा चुनाव विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर लड़ना चाहिए था और उनके साथ सीट शेयरिंग करनी चाहिए थी। इण्डिया गठबंधन की कुछ अन्य पार्टियां भी नाराज हैं और कुछ तो सीधे-सीधे कांग्रेस की आलोचना कर रही हैं। इसके बावजूद इन विधानसभा

चुनावों ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का कोई प्रतिद्वंदी नहीं है। इन राज्यों में किसी अन्य पार्टी की कोई उपस्थिति नहीं है और कांग्रेस ने दक्षिण भारत का जो राज्य हथियाया है, वह एक ऐसी पार्टी से हथियाया है, जिसकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाएं थीं।

तेलंगाना में स्थानीय पार्टी बी.आर.एस. की करारी हार कम से कम एक राज्य में कांग्रेस के पुनरुत्थान का संकेत देती है। जहाँ हाल ही चुनाव सम्पन्न हुए, वहाँ भी कांग्रेस की कोई हल्की उपस्थिति नहीं है। उसने राजस्थान में 70, मध्य प्रदेश में 71 और छत्तीसगढ़ में भी अच्छी सीटें जीती हैं। इन राज्यों में किसी भी अन्य पार्टी की कांग्रेस के आस-पास सीटें नहीं हैं। हाल ही सम्पन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस हार गई, लेकिन इसका कारण कांग्रेस के कुछ शीर्ष नेताओं और उनके सहयोगियों की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियाँ थीं (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या रैवन्त रेड्डी होंगे तेलंगाना में कांग्रेस के पहले मुख्यमंत्री

कांग्रेस आलाकमान ने रैवन्त के नाम पर सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है

**-लक्ष्मण वैकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। तेलंगाना की जनता ने कांग्रेस के पक्ष में जनदेश दिया है और अब वहाँ भी “पॉलिटिकल थ्रिलर ड्रामा” शुरू हो गया है “कौन बनेगा मुख्यमंत्री”। कांग्रेस का शो

- पार्टी सूत्रों के अनुसार तेलंगाना में डी.के. शिवकुमार व केन्द्रीय नेताओं ने सभी विधायकों से बात की है तथा विधायकों का बहुमत रैवन्त रेड्डी को मुख्यमंत्री बनाना चाहता है।
- डी.के. शिवकुमार व केन्द्रीय ए.आई.सी.सी. पर्यवेक्षक दिल्ली गए हैं, आलाकमान से चर्चा करने।

“आर.आर.आर.” राहुल, रैवन्त और रेड्डी आम जनता में सुपरहिट हो गया जिसके सूत्रधार थे युवा एवं ऊर्जावान नेता रैवन्त रेड्डी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और दिल्ली के ए.आई.सी.सी. पर्यवेक्षकों के समक्ष कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री पद की दौड़ शुरू हो गई। पूरे दिन पार्टी नेता और विधायक एक चर्चा के लिए प्राइवेट होटल में बने रहे और सरकार गठन पर चर्चा चली।

हमेशा की तरह नेतृत्व के मुद्दे पर

कुछ गतिरोध। केन्द्रीय पर्यवेक्षक कुछ समय तक आम सहमति नहीं बना पाए। शिवकुमार एवं केन्द्रीय पार्टी नेतृत्व ने पूरा दिन हरेक विधायक के साथ चर्चा की। इसके बाद शिवकुमार एवं ए.आई.सी.सी. पर्यवेक्षक नेतृत्व को जानकारी देने दिल्ली चले गए। लेकिन इस सारे ड्रामा से पहले राजभवन में 8 बजे शपथ ग्रहण की घोषणा कर दी गई थी और आनन फानन में राजभवन ने शपथ ग्रहण की तैयारी शुरू कर दी गई और निमंत्रण भेज दिए गए। उसके बाद (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महुआ निष्कासन से बर्चीं

**-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने सवाल के बदले पैसा लेने के मामले से निपटने के सरकार के तरीके की ध्जिजायं उड़ा दी और एथिक्स कमेटी पर तथा

- एथिक्स कमेटी और प्रिविलेज कमेटी के टकराव ने महुआ की लोकसभा सदस्यता बचा ली।

विशेषाधिकार (प्रिविलेज) कमेटी से इसके रिस्ते पर सवाल उठाए।

उन्होंने एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट को दर गुजर करने की आलोचना की और पारदर्शिता व उत्तर दायित्व के सम्बंध में सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमारे एथिक्स कमेटी पर मूल सवाल हैं। प्रिविलेज कमेटी और एथिक्स कमेटी के क्षेत्राधिकार में “ओवरलैपिंग” नहीं होनी चाहिए।

गत शुक्रवार को लोकसभा की बिजनैस एडवायज़री कमेटी ने उन्हें सोमवार को सदर ने निकालने का दावा किया था पर दोनों पैलों के टकराव ने महुआ को निष्कासन से बचा लिया।

चुनाव नतीजों के कारण इंडिया गठबंधन में कांग्रेस का रूतबा घटा है

कर्नाटक चुनावों के बाद इंडिया गठबंधन में कांग्रेस का कद बढ़ गया और पार्टी ने अपना प्रभुत्व जमाना भी शुरू कर दिया था

**-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**
नई दिल्ली, 4 दिसम्बर। तीन हिंदी भाषी राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में शर्मनाक पराजय झेलने के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आने की बाध्य हो गई है। वह विपक्ष के गठबंधन इण्डियन नैशनल डवलपमेंट अलायंस (इण्डिया) की बुधवार को एक मीटिंग आयोजित कर रही है, जिसमें इस गठबंधन की कमियाँ को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

उक्त तीनों राज्यों में मिली हार के बाद “इण्डिया” गठबंधन के सहयोगी आक्रामक मुद्रा में आ गए हैं और उसे इस बात का दोष दे रहे हैं कि उसने गठबंधन के कुछ सहयोगियों के साथ सीट शेयरिंग समझौता नहीं किया,

- पर विधानसभा नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन के घटक दलों की आम राय है कि अगर पार्टी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलती तो नतीजे कुछ और होते।
- चुनाव हारते ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने “इंडिया” की बैठक बुलाई है, जिस पर भी सहयोगी दलों ने कटाक्ष किया।
- एक प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता ने कहा कि, कांग्रेस चुनाव नतीजों का इंतज़ार कर रही थी ताकि “इंडिया” गठबंधन में ज्यादा सौदेबाजी कर सके पर हुआ उल्टा।

खासतौर पर समाजवादी पार्टी के साथ, जिसमें मध्य प्रदेश में अपने 72 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे, लेकिन कोई भी सीट नहीं जीत पायी। मध्य प्रदेश में सपा का 0.43 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। हिंदी भाषी उक्त तीनों राज्यों में अच्छा

जनाधार रखने वाली कांग्रेस अब “इण्डिया” गठबंधन में संतुलन स्थापित करने को लेकर फूक-फूक कर कदम बढ़ा रही है।

एक नेता ने बताया कि “कांग्रेस दुविधा का सामना कर रही है क्योंकि

सफलता का श्रेय सभी लेना चाहते हैं, लेकिन विफलता का कोई भी नहीं। अब वह आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा को कड़ी चुनौती देने के लिए स्वयं को समायोजित करने का प्रयास कर रही है।” तीन राज्यों में भाजपा के हाथों बड़ी पराजय झेलने के बावजूद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्ष के गठबंधन की अगली मीटिंग बुलाए जाने की मांग की। गठबंधन की पिछली मीटिंग्स 31 अगस्त और 1 सितम्बर को मुम्बई में हुई थी।

हिंदी भाषी राज्यों में कांग्रेस की पराजय ने विपक्ष के “इण्डिया” गठबंधन में कांग्रेस के प्रति नाराजगी बढ़ा दी है। वह यह उल्लेख कर रहा है कि विपक्ष के मुख्य दल कांग्रेस ने अपने (शेष अंतिम पृष्ठ पर)



दिव्य[®]**पतंजलि**[®]

ब्रेन के हर रोग व समस्या का सम्पूर्ण समाधान आयुर्वेद में है

प्राचीन काल में हमारे पूर्वजों ने मस्तिष्क के विकास एवं मस्तिष्क के रोगों के निवारण के लिए जो हमें ज्ञान दिया था, हमने उसपर वैज्ञानिक अनुसंधान द्वारा रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन्स बनाकर मस्तिष्क के रोगों का उपचार कर के मानवता का उपकार किया है।

अनिद्रा, तनाव, डिप्रेशन, माइग्रेन पेन, पार्किंसन्स, डिमेन्शिया, अल्ज़ाइमर, ओ सी डी, माइल्ड ऑटिज्म, एपीलेप्सी (मिर्गी) से मुक्ति पाने के लिए और स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए अपनाएं रिसर्च एंड एविडेंस बेस्ड पतंजलि मेधा वटी, मेमोरीग्रिट, न्यूरोग्रिट एवं ऑर्गेनिक ओमेगा। ये औषधियां मस्तिष्क के न्यूरोन्स, स्नैप्स एवं सिग्नल्स को ठीक करके ब्रेन सिस्टम को हेल्दी बनाती हैं।

नई-नई रिसर्च की जानकारी हेतु विजिट करें: www.patanjali.res.in



हमारी सभी औषधियाँ पतंजलि स्टोर्स, प्रमुख मेडिकल, आयुर्वेदिक और बड़े स्टोर्स पर उपलब्ध हैं।
उपरोक्त वर्णित दवा का उपयोग मात्र सुझाव है। उपर्युक्त रोगों के प्रबंधन हेतु उपचार में इनका मुख्यतः प्रयोग किया जाता है। स्वविवेक से दवाएं न लें। दवाओं का प्रयोग हमेशा चिकित्सकीय निरीक्षण में करें।

विचार बिन्दु

आशा अमर है उसकी आराधना कभी निष्फल नहीं होती। –महात्मा गाँधी

भाजपा की ऐतिहासिक जीत–जनता की अपेक्षाएं

नवंबर 2023 में पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए चुनाव हुए, जिनमें से चार विधानसभाओं के परिणाम 3 दिसंबर 2023 को घोषित हुए हैं। इनमें से तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति को सत्ता से हटाकर कर कांग्रेस ने सत्ता हासिल की है। वहाँ 119 सीटों में से 65 सीटों पर विजय प्राप्त कर कांग्रेस ने सरकार बनाने का अधिकार प्राप्त किया है। शेष तीन राज्यों – राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ में भारतीय जनता पार्टी ने सभी ओपिनियम और एक्जिट पोल को गलत सिद्ध करते हुए ऐतिहासिक जीत प्राप्त की है। राजस्थान में भाजपा को 199 में से 115, मध्य प्रदेश में 230 में से 162 और छत्तीसगढ में 90 में से 54 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। किसी भी ओपिनियम पोल में (एक अपवाद को छोड़कर), इस प्रकार का अनुमान नहीं लगाया गया था।

स्वाभाविक है, भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता गदगद हैं। कुछ दिनों में, इन तीनों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी और इन राज्यों की सत्ता संपाल लेंगी। इस ऐतिहासिक विजय पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई। हम इस लेख में मुख्य रूप से राजस्थान के मतदाताओं की नई सरकार से अपेक्षाओं पर बात करेंगे। पूर्व में सभी एग्जिट पोल द्वारा यह संभावना व्यक्त की गई थी की राजस्थान में कांग्रेस को टक्कर होगी एवं कोई भी दल, बहुत मुश्किल से अपनी सरकार बना पाएगा। ऐसा भी लगता था कि ऐसा करने के लिए उसे अन्य दलों एवं निर्दलीयों की सहायता लेनी पड़ेगी, जैसा कि पिछली बार कांग्रेस को करना पड़ा था। ऐसा कुछ नहीं हुआ एवं भाजपा अपने स्वयं के बलबूते पर अच्छे बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य के लिए यह अच्छा संकेत है, क्योंकि निर्दलीयों के भरोसे चलने वाली सरकार में हमेशा अस्थिरता की भावना रहती है। ऐसी सरकार में विधायक अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं और कई बार वे एक प्रकार से सरकार को जगहित के निर्णय लेने में बाधक भी बनते हैं। गहलोत सरकार के समय में देखा गया था कि सरकार का अस्तित्व ही विधायकों के मनमर्जी पर टिक गया था और इसका भरपूर लाभ विधायकों ने उठाया। सत्ताधारी दल के विधायकों के प्रति जनता की नाराजगी बहुत है, इसकी संभावना तो पहले से व्यक्त की जा रही थी, किंतु कांग्रेस इसमें सफल नहीं हो पाई कि अधिकांश विधायकों को उम्मीदवार न बनाए। इसका खामियाजा कांग्रेस को इस चुनाव में भुगतना पड़ा है।

एक और कारण जो कांग्रेस की हार के लिए संभावित लगता है वह है, हाई कमान का असहाय होना। ऐसा लगता था, जैसे राजस्थान के सन्दर्भ में कांग्रेस का हाई कमान कुछ कर ही नहीं पा रहा था। जब यहां राजस्थान में विधायक दल की बैठक में नेतृत्व परिवर्तन के संबंध में निर्णय लिया जाना था तो कांग्रेस के ही कुछ मंत्रियों ने इसकी अवहेलना करते हुए एक समानांतर बैठक बुलाकर हाई कमान को ही चुनौती दे डाली। केंद्रीय नेतृत्व के बारे में अपमानजनक बयान राज्य के मंत्रियों तक ने दिए, फिर भी हाई कमान मूक दर्शक ही बना रहा। भाजपा में ऐसी स्थिति की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

पूरे चुनाव प्रचार अभियान में केवल मुख्यमंत्री ही केंद्र में बने रहे। गत कुछ माह से मीडिया में केवल मुख्यमंत्री का ही चेहरा दिखाई देता था। सामूहिक नेतृत्व की बात को तिलांजलि सी दे दी गई थी। इसलिए प्रत्यक्ष रूप से तो सचिन पायलट और मुख्यमंत्री गहलोत के एक साथ होने की तस्वीर भी छपाई गई, किंतु अंदर कहीं ना कहीं समाज के एक बड़े वर्ग में सचिन पायलट से उनका वाजिब अधिकार छीने जाने की एक कसक उत्पन्न मन में थी। इसका प्रदर्शन उन्होंने चुनाव के समय मत देते समय किया। यह सर्वसिद्धित है कि गहलोत सरकार के प्रारंभिक चार वर्ष तो केवल अपने आप को मुख्यमंत्री बनाए रखने में ही निकल गए। पूरा समय, जैसे-तैसे विधायकों को अपने साथ बनाए रखना और येन केन प्रकारेण सरकार को बनाए रखना ही पहली प्राथमिकता हो गई। यह कल्पना की जा सकती है कि उस राज्य सरकार में शासन और प्रशासन की क्या स्थिति होगी, जहां उसका पूरा समय केवल अपने विधायकों को संभालने में ही निकल जाए। इसी का यह परिणाम था कि राज्य में सुशासन का कोई चिन्ह देखने को नहीं मिलता था। महिलाओं पर बलात्कार और शोषण के मामले निरंतर बढ़ते रहने से राज्य की बहुत बदनामी हुई। मंत्री, विधायक और अधिकारी मनमानी करने में लगे थे। जनकल्याणकारी योजनाएं जो राज्य सरकार द्वारा बनाई गई, उनका लाभ भी प्रभावी रूप से वंचित वर्ग को नहीं मिल सका। फलस्वरुप जितना अधिक प्रचार इन योजनाओं का करोड़ों रुपये के विज्ञापनों के द्वारा किया गया, उसनी ही लोगों की अपेक्षाएं तो बढ़ी, किंतु उनको अपेक्षा के अनुसार लाभ न मिल पाने के कारण उन्होंने स्वयं को ठगा सा महसूस किया।

इस परिणाम से एक और संकेत मिलता है, वह यह कि जनता को केवल मुफ्त की वस्तुएं देकर आप उनसे उनका मत खरीद नहीं सकते। राजस्थान में इस संबंध में कई प्रकार के प्रयास किए गए, विशेष कारण

→ **इस परिणाम से एक और संकेत मिलता है,**

वह यह कि जनता को केवल मुफ्त की वस्तुएं देकर आप उनसे उनका मत खरीद नहीं सकते। राजस्थान में इस संबंध में कई प्रकार के प्रयास किए गए, विशेष कारण

अंतिम तीन-चार माह में, जैसे महिलाओं को मोबाइल बांटना, सस्ती रसोई गैस देना, मुफ्त बिजली, महिलाओं को प्रति वर्ष 12000 रुपये देने की घोषणा हो।

सुरक्षा हो। यह उल्लेखनीय है कि राजस्थान में बेरोजगारों के साथ बहुत बड़ा धोखा हुआ और लोक सेवा आयोग के चयन एवं अन्य चयन प्रक्रियाओं में बहुत धांधली सामने आई। युवाओं के समक्ष रोजगार एक बड़ा मुद्दा रहता है और यदि पद रिक्त होने के बाद भी योग्य व्यक्तियों का समय पर चयन होकर उन्हें नियुक्ति न मिले तो उनके मन में आक्रोश पनपता है जिसका प्रकटीकरण चुनाव में होता है।

एक नया मुख्यमंत्री राजस्थान को शीघ्र मिल जाएगा। वैसे तो राजस्थान में इसी परंपरा को आगे बढ़ाया गया है कि प्रत्येक 5 वर्ष में शासन बदलता जनता इसके अलावा और कर भी क्या सकती है कि जब भी उसे मौका मिले मत के प्रयोग के माध्यम से सत्तादारी दल में परिवर्तन लाए। हर बार सरकार बदलने के रिवाज से एक सीख यह शासन संपालने वालों को लेनी चाहिए कि जनता अच्छे शासन, चुस्त प्रशासन, संवेदनशील और ईमानदार प्रशासन की अपेक्षा नई सरकार से करती है। हमारे पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में 18-20 वर्षों से एक ही दल की सरकार है और वहां पर इस बार शासन बदलने का अनुमान गलत सिद्ध हुआ। इसका अर्थ यह निकलता है कि वहां पर जनता ने वहां की राज्य सरकार द्वारा किए गए शासन को पसंद किया एवं अत्यंत भारी बहुमत के साथ इस सरकार को फिर सत्ता में लेकर आए। जब कांग्रेस को बहुमत 2018 में मिलता तो भी वह अधिक समय तक शासन संपाल नहीं पाए और एक डेड वेंच में ही सत्ता गंवा फिर विपक्ष में आ गए।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को राजस्थान के लिए सुयोग्य सर्व- स्वीकार्य मुख्यमंत्री का चयन शीघ्र ही करना होगा। वह व्यक्ति ऐसा होना चाहिए जो जनता को संवेदनशील ईमानदार और सुशासन प्रदान कर वंचित लोगों तक विभिन्न योजनाओं का लाभ सही रूप में पहुंचाने का कार्य कर सके और बेईमान नौकरशाही पर पूरा अंकुश लगा सके। उन्हें अधिक समय इस पर नहीं लगाना पड़ेगा कि विधायकों को संभाल कर रखें।

नई सरकार को यह बात अवश्य ध्यान रखनी होगी कि गत विधानसभा चुनाव – 2018 में इन तीनों राज्यों में बहुमत से कांग्रेस सरकार बनी थी। उसके बावजूद जून, 2019 के लोकसभा चुनाव में इन तीनों राज्यों में कुल मिलाकर दो लोकसभा सीट ही कांग्रेस को प्राप्त हुई थीं। यदि इससे कुछ सीख मिलती है तो वह यह कि आगामी चार-पांच महिनों में नई सरकार को सिद्ध करना होगा कि वह पहले की सरकार से कुछ अलग प्रकार की है एवं वह केवल लोक लुभावने वादे ही नहीं करती अपितु लोगों को अच्छा शासन भी देने की योग्यता एवं क्षमता रखती है। ऐसा करते समय इसे धर्म, जाति के भेदभाव से ऊपर उठकर जो भी अपराधी तत्व अथवा भ्रष्टाचारी अधिकारी, कर्मचारी हों उन पर कड़ा अंकुश लगाना होगा ताकि जनता को सरकार के द्वारा प्रताड़ित होने से एवं भ्रष्टाचार का दर्श झेलने से राहत मिल सके। यदि इस अवधि में वह अच्छा शासन जनता की अपेक्षा अनुसार देने में सफल न हो पाएंगे तो फिर संभव है कि इसका नुकसान लोकसभा चुनाव में सत्ता धारी दल अर्थात भाजपा को उठाना पड़ सकता है।

इन परिणामों ने एक बार पुनः यह सिद्ध किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अभी तक जनता में स्वीकार्यता यथावत है। उन्हें इन तीनों राज्यों की शासन व्यवस्था पर एक निगाह रखनी पड़ेगी, ताकि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का किस प्रकार का क्रियान्वयन इन राज्यों में हो रहा है, यह सुनिश्चित किया जा सके। जनता ने बड़ी आशा और अपेक्षा के साथ भाजपा को इन तीन राज्यों का शासन सौंपा है और यह उम्मीद रखते हैं कि वह जनता के सभी वर्गों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का काम करेंगी।

इन परिणामों ने यह भी दिखा दिया कि जनता ने जातिगत जगणगना की बात को महत्व नहीं दिया एवं भाजपा द्वारा जातिगत जनगणना की बात को अस्वीकार करने के बावजूद उसे सत्ता में बिठाया है। यह राष्ट्र के लिए एक शुभ संकेत है कि देश की सत्ताधारी पार्टी विभाजनकारी प्रवृत्ति से ऊपर उठकर सबके लिए कल्याण की बात सोचती है। इस संकेत को ‘इंडिया एलाइंस’ को भी समझना होगा कि केवल जनता को बरगलाकर, जाति–पाति में विभाजित करके अवसरार्थन हासिल नहीं किया जा सकता है।

तेलंगाना के परिणाम ने यह अवश्य बता दिया कि जिस प्रकार का जादू भाजपा का इन तीन राज्यों में चला उसी प्रकार का दक्षिण के राज्य तेलंगाना में नहीं चला। वहां 10 वर्षों से शासन में भारत राष्ट्र समिति को अपदस्थ कर कांग्रेस ने बहुमत प्राप्त किया है। यदि वहां पर वह अच्छा शासन दे पाती है, तो भाजपा के लिए दक्षिण भारत में प्रवेश करने हेतु और प्रतीक्षा समीची होगी। उत्तर और दक्षिण का यह अन्तर, देश के लिए क्या संकेत देता है, इसको समझना कठिन है। यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरे देश के सर्वमान्य नेता के रूप में अपने आप को स्थापित करना है तो उन्हें केवल उत्तरी भारत नहीं बल्कि दक्षिण भारत के राज्यों में भी अपने जड़ों को जमबूत करना होगा। ऐसा अभी तक वह नहीं क्यों कर पाए हैं, इसका भी विश्लेषण भाजपा के उच्च नेतृत्व को करना पड़ेगा। हाल ही में वह कर्नाटक को खो चुकी है और अब वह तेलंगाना में प्रयास करने के बावजूद भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाई है। तमिलनाडु और केरल में तो वैसे ही भाजपा की कोई प्रचयन नहीं बन पाई है। अंत में यही कहा जा सकता है कि भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने एक ऐतिहासिक जिम्मेदारी भाजपा के कंधे पर डाली है। जनता वही अपेक्षा कर रही है कि शीघ्र ही नई सरकार बने और उसे सुशासन उपलब्ध कराए जहां अधिकारी गण अपनी मनमानी न कर पाएं एवं विधायक गण केवल तबादले की ही राजनीति में उलझ कर ना रह जाए। उसे आवश्यकता है अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था की, अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था की और सुरक्षित जीवन की। यदि सरकार आने वाले समय में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को सुनिश्चित कर पाई, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य उपलब्ध कर पाई, रोजगार के अवसर उपलब्ध करके चयन प्रक्रिया को भ्रष्टाचार मुक्त कर पाई तो, उसे लोग कि उसने भाजपा को सत्ता सौंप कर सही काम किया है। जनता ने तो अपना काम कर दिया, अब सरकार को बारी है कि वह जनता को अपेक्षाओं पर खरा उतरे। इस हेतु नई सरकार को अनेकानेक शुभकामनाएं।

–अतिथि सम्पादक, राजेन्द्र भागवत (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)



डॉ. (प्रो.) वीर बहादुर सिंह

मैं कई वर्षों के प्रयास से भी इस पहली को नहीं सुलझा पाया कि जन प्रतिनिधि इस देश में एक दो बार विधायक/सांसद बनते ही करोड़पति अथवा अरबपति कैसे बन जाते हैं और अकूत संपत्ति एकांत्रित कर लेते हैं? क्या यह भारत के लोकतंत्र की विशेषता है अथवा कमजोरी अथवा कुछ और? यदि यह कमजोरी है तो इस लूट और डकैती को प्रतिबंधित करने के लिए कारगर उपाय संविधान संशोधन के द्वारा अभी तक क्यों नहीं किये गए? उत्तर साफ़ है कि विधायक अथवा संसद इसमें दखल देकर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी क्यों मारें? एक तीसरा जरिया सुप्रीम कोर्ट भी है लेकिन वे क्यों सरकार से लड़ेंगे? चुनाव आयोग अब श्री शोचन के बाद निश्कतजन की श्रेणी में आ चुका है।

चुनाव लड़ने की तो मेरे में शक्ति है और न ही कोई अन्य स्वाधीन है तो इस खेल की व्यूह रचना समझने की जिज्ञासा असें से पाले हुए हैं लेकिन कोई अवसर नहीं मिला कि देश के लोकतंत्र

कि इस देश में समस्त विधायकों और सांसदों पर सरकार वेतन, भत्ते, पेंशन, टेलीफोन आदि विभिन्न मदों पर वार्षिक कितना धन खर्च करती है? मेरा दिमाग चकरा गया जब सोलह अरब तक आंकड़ा पहुंच गया। उस गणना को मैंने वहीं त्याग दिया। आश्चर्य तो इस बात का है कि इस प्रकार की सूचना अथवा आंकड़े गूगल पर भी नहीं मिलते। इसलिए देश की जनता इस पक्ष पर हमेशा अनभिज्ञ ही रहती है।

इस सन्दर्भ में मुझे एक पौराणिक कथा शंकराचार्य और मंडन मिश्र की पत्नी के बीच हुए ज्ञान सम्बन्धी सम्बाद की याद आ रही है। कथा की सही कड़ियाँ संजोने में भूल हो सकती है फिर भी उसे यथा भावार्थ रूप में यहाँ लिखने का प्रयास कर रहा हूँ। कथा इस प्रकार है। एक बार शंकराचार्य और मंडन मिश्र की पत्नी के बीच धर्म पर सम्बाद शुरू हुआ। शास्त्रार्थ के बीच मंडन पत्नी ने शंकराचार्य को योनि सम्बंधित किसी क्रियाएं देख ली और फिर कुछ समय पश्चात् पुनः उसविषय पर चर्चा कर मंडन पत्नी को हरा दिया।

इस उद्धरण को यहाँ देने का मेरा प्रयोजन है कि किसी विशेष अवस्था को समझने के लिए उस अवस्था के भीतर प्रवेश करके देखना कभी-कभी जरूरी होता है। तभी उस विषय की पूर्णता को

एक बार में यह हिसाब लगाने बैठै

सक्षम थे वह भी हजारों वर्ष पहले?

एक सामान्य व्यक्ति का मस्तिष्क 7-8 प्रतिशत की दक्षता पर काम करता है, जो पांच इंडियों द्वारा बुनियादी कार्यकलापों के लिए पर्याप्त है। हालांकि एक मनुष्य के पास 16 इंडियां होती हैं, जो 92-93 प्रतिशत मस्तिष्क पर कार्य करती हैं। ध्यान आश्रम के अश्विनी गुरु जी कहते हैं, यह अग्रयुक्त क्षमता है, जिसे योग विज्ञान के माध्यम

समझा जा सकता है और वर्णन करने में व्यक्ति समर्थ हो सकता है।

अतः जन प्रतिनिधिओं की सम्पत्ति दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने की कला को सीखने-समझने के लिए मेरा एक बार किसी प्रकार जनप्रतिनिधि बनना आवश्यक है। चुनाव में लड़ नहीं सकता क्योंकि मेरे पास उसके लिए धन नहीं है और न ही मेरी जनता के बीच ऐसी कोई प्रसिद्धि जो मैं चुनाव जीत सकूँ। अतः मैं देश की सरकार से विनम्र आग्रह करता हूँ कि मुझे एक बार बिधायक अथवा सांसद नॉमिनेट कर सदन में पहुँचा दे। मेरा इस बाबत कोई प्रलोभन नहीं है। बस यह देखना चाहता हूँ कि सम्पत्ति कैसे बढ़ती है? मैं शायद पूर्वक यह भी घोषणा करता हूँ कि उक्त कार्य काल में मेरी संपत्ति में जो भी अवाजिब बढ़ोतरी होगी उसे मैं कार्य काल समाप्ति पर सरकार को स्वतः ही लौटा दूंगा और सरकार को संपत्ति वृद्धि के बारे में कोई जानकारी नहीं दूंगा जब तक कि नतीजे और उनके लिए विवरण एकत्रित न कर लूँ। यद्यपि मैं राजनीत का खिलाडी नहीं हूँ। मेरी संपत्ति में वृद्धि अन्य की अपेक्षा कम ही रहेगी। अतः इस बढ़ोतरी को मैं न्यूनतम मान लूँगा, और अन्य पुराने जनप्रतिनिधिओं के बारे में आंकलन कर निष्कर्ष निकालूँगा।

मेरे विचार से जनता भी यह जानना चाहेगी कि जनप्रतिनिधिओं की सम्पत्ति किस प्रकार बढ़ती है? उस मैकेनिज्म को समझने में मैं सफल हो जाऊँगा। अभी तो मैं यह भी चाहता हूँ कि देश के हर इच्छुक नागरिक को एक बार जनप्रिनिधि बनाने का प्रावधान भी किया जाय। जिससे वह कम से कम एक

से वैदिक गुरुओं द्वारा उपयोग किया गया था। वह जो कर सकते थे, आप भी कर सकते हैं।

योगी जी पिछले दो दशक से अधिक न केवल प्राचीन वैदिक विज्ञान सिखा रहे हैं, बल्कि उन्होंने परिणाम स्वरूप 200 आईएमए डॉक्टरों और दर्शकों के सामने लाइव, दूरदर्शिता के विज्ञान को सिद्ध किया है।

योग का विज्ञान कई चरणों में

करोड़ का स्वामी तो बन जाय।

इस प्रयोग में मुझे यदि सफलता मिलती है, तो मैं वादा करता हूँ कि इसके परिणामों के आधार पर सामाजिक क्षेत्र के अनुसन्धान कर्ताओं के लिए एक बहुत क्षेत्र अनुसन्धान के लिए खोल दूंगा ,जिससे अनेक सरकारी जांच एजेंसियां यथा एनफोर्समेंट निदेशालय सेंट्रल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी आदि को अनेक प्रकार से सहायता मिल सकेगी। केंद्रीय सरकार के सम्बंधित विभाग सांख्यिकी, इकोनॉमिक्स जैसे अपने स्तर पर भी इस विचार पर अन्य तरीकों से प्रोफोमा विकसित कर अनुसन्धान के लिए अपने तरीके से अग्रसर हो सकेंगे। फिर इस मसले पर सोचने और आगे अठासर होने से एक ऐसा अनुसन्धान क्षेत्र विकसित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गरीबों पर अनेक एजेंसिओं ने बहुत अनुसन्धान किये अब अमीरों व् धनाढ्य वर्ग पर भी अनुसन्धान के लिए द्वार खुलने चाहिए। इस अभिनव प्रयोग के परिणाम आम जनता को झकझोरने वाले और जागरूकता उत्पन्न करने में महती भूमिका निभाएंगे। पाठक गण उक्त मेथोडोलोजी से यदि सहमत हों तो जहाँ संभव हो मेरी सिफारिश और सहायता करें। अज्ञानी और मूढ़ कृपया प्रतिक्रिया न दें। क्योंकि मृदाता पर मैं एक सम्पादकीय विस्तृत लेख इसी अखबार में जनता और जन प्रतिनिधिओं की जानकारी के लिए प्रकाशित करवा चुका हूँ।

–डॉ. (प्रो.) वीर बहादुर सिंह, खाद्य प्रौद्योगिकी विज्ञ, उदयपुर, राजस्थान

लौकिक से अलौकिक की यात्रा

ध्यान के विज्ञान पर अश्विनी गुरु जी के साथ एक विशेष सत्र

सालासर, राजस्थान। अश्विनी गुरुजी के साथ एक विशेष, 6 दिवसीय रिट्रीट में सीखें ध्यान के द्वारा दिव्यता तक पहुँचने की प्राचीन तकनीकें। इस रिट्रीट का आयोजन, राजस्थान में 5 से 10 दिसंबर तक किया जाएगा।

आधुनिक इतिहासकारों के अनुसार, जब दुनिया में बर्बता अपने चरम पर थी, तब हमारे वैदिक ऋषि ऐसी खोजें कर रहे थे जो आधुनिक

विज्ञान द्वारा अभी तक ज्ञात नहीं है। ऐतिहासिक वृत्तांतों में ऐसी क्वािनियाँ भरी पड़ी हैं जहां चमत्कारी खोजें हुईं। ऐसे पुल बनाए गए जो मानव द्वारा निर्मित किया जाना असंभव लगता है। खोजें जहां पृथ्वी पर बारिश और नदियाँ लाई गईं, जिन्होंने समानांतर ब्रह्मांड बनाए, जिन्होंने रेच्छापुरसार अपना शरीर छोड़ दिया, प्रश्न यह है कि योगी और ऋषि कैसे यह सब कुछ हासिल करने में

पत्नी की मौत के पांच दिन बाद 91 वर्षीय गुलाब खां की मौत

घांधू, (निसं)। गांव घांधू में पत्नी की मौत के महज 5 दिन बाद 91 वर्षीय शिवाग्रमी गुलाब खां की मौत हो गई। पत्नी शतुल बानो की मौत का सख्मा सहन नहीं कर पाए गुलाब खां का निचय सोमवार को हो गया।

परिजनों ने बताया कि 91 वर्षीय गुलाब खां एकदम स्वस्थ चल रहे थे कि अचानक पिछले दिनों उनकी पत्नी शतुल बानो का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। पती की मौत के बाद ही सदमे में आये गुलाब खान उसी

दिन से अनमने और अस्वस्थ से रहने लगे थे। परिजन भी उनकी उदासी देखकर चिंतित थे। सोमवार को जब गुलाब खां ने अपनी आखिरी सांस ली तो हर व्यक्ति की जुवान पर पति-पत्नी की मोहब्बत और मौत की चर्चा थी।

गुलाब खां सभी समाज के बच्चों की शिक्षा के लिए सदैव आगे बढ़ती रहते थे और हर किसी से मुलाकात के दौरान पढ़ाई, लिखाई और नौकरों के सम्बंध में निधन हो गया था। पती की मौत के बाद ही सदमे में आये गुलाब खान उसी

इस वर्ष 5 लाख अधिक है। एलन करियर इंस्टीट्यूट के करियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि आवेदन में हुई त्रुटियों में 6 से 8 दिसम्बर तक कोरेशन कर सकते हैं। एनटीए की ओर से जारी किए गए एफएफयू के अनुसार जिन विद्यार्थियों ने सेशन-1 के लिए आवेदन किया है, वे अतिरिक्त परीक्षा शुल्क देकर सेशन-2 के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। इसके

राशिफल मंगलवार 5 दिसम्बर, 2023	
	
मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 3:38 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 10:41 तक, बालव करण दिन 11:19 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।	
ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।	
आज श्री काल भैरवाष्टमी, कालाष्टमी, प्रथमाष्टमी है। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:41 से 10:59 तक, लाभ-अमृत 10:59 से 1:35 तक, शुभ 2:53 से 4:11 तक। राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:05, सूर्यास्त 5:29	

मे़ष	सिंह
 परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	 व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वाला सफल रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
वृष	कन्या
 घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।	 आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।
मिथुन	तुला
 व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरपेशा व्यक्तियों को नवीन जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	 आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।
कर्क	वृश्चिक
 वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिवार में वाद-विवाद/दलालता ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। नौकरपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।	 व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/इन अच्छा रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मे़ष	सिंह
 परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	 व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वाला सफल रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
वृष	कन्या
 घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।	 आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।
मिथुन	तुला
 व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरपेशा व्यक्तियों को नवीन जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	 आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटक हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।
कर्क	वृश्चिक
 वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिवार में वाद-विवाद/दलालता ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। नौकरपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।	 व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए/इन अच्छा रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

धनु	मकर
 शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। शुभ कार्यों को टालना ठीक रहेगा। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	 चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ राशि में है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।
कुंभ	मीन
 परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल-बढ़ेगा।	 व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

राजसुगम संस्था रंगोली से लोक अदालत का प्रचार प्रसार कर रही है

जालोर, (कासं)। राजसुगम सेवा संस्थान की ओर से रंगोली बनाकर राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया गया। 9 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार के लिए संस्थान की ओर से शांतिनगर कॉलोनी में सड़क पर रंगोली सजाई गई एवं आगामी दिनों में आयोजित होने वाली लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया गया। संस्थान की सचिव रविना कुमारी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश विरेन्द्र कुमार मीणा की अपील पर संस्थान की ओर से भी राष्ट्रीय लोक अदालत का विभिन्न माध्यमों से प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसी क्रम में रंगोली के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

साथ ही उपस्थित लोगों को 9 दिसंबर को आयोजित होने वाली लोक अदालत के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से वॉट्सअप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसके अलावा संस्थान की ओर से लोगों को भी लोक अदालत के बारे में जानकारी के लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करने हेतु कहा

स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

बालोतरा, (निर्सं)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा द्वारा स्नेह मिलन का आयोजन विशेष रूप से युवती बहनों के लिए किया गया। आचार्य श्री महारामण जी के सुशिष्य मुनिश्री सुमति कुमार जी ठाणा-3 की प्रेरणा से और सुशिष्या शासनश्री साध्वीश्री सत्यप्रभा ठाणा-4, शासनश्री साध्वीश्री सत्यवतीजी ठाणा-6, साध्वीश्री कमलप्रभा ठाणा-5, साध्वीश्री गुप्तिप्रभा ठाणा-4 के सानिध्य में किया गया। महिला मंडल मंत्री रेखा बालड ने बताया कि सर्व प्रथम नमस्कार महामंत्र

सार-समाचार

बाप कस्बा जीत के जश्न में डूबा

बाप, (निर्सं)। विधानसभा चुनाव में फ़्लौदी सीट पर भाजपा के पब्बाराम बिश्नोई ने हैट्रिक लगा दी है। वे तीसरी बार जीत गये है। भारतीय जनता पार्टी की राज्य में जीत व क्षेत्रीय विधायक पब्बाराम की जीत पर बाप कस्बे में भाजपा कार्यकर्ताओ ने जमकर जश्न मनाया। पटाखे फोड़ने के साथ एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। इस मौके भंवर कुमावत, मुकेश कुमावत, दिनेश प्रजापत, पपु प्रजापत, अशोक भार्गव, इनायत अली, करण नाथ कालबेलिया, तिलोक मेघवाल, पवन गोदारा, सुरेश बिस्नोई, जतिन खत्री, वकील धर्म चन्द तंवर, पुनम चन्द पालीवाल, गोपाल सोनी, तोलाराम प्रजापत, पपुराम प्रजापत, बाबूलाल खत्री, लीलाधर खत्री, जगदीश प्रजापत, शंकर लाल, ओमप्रकाश प्रजापत सहित कार्यकर्ताओ ने खुशिया मनाई। पूर्व मंडल अध्यक्ष किशनलाल पालीवाल, मंडल अध्यक्ष हरि माडपुरा, महेश पालीवाल होपारडी, मोती पालीवाल, भातगुप्ती मंडल अध्यक्ष मांगीलाल पालीवाल कई कार्यकर्ताओं में जोधपुर में जीत का जश्न मनाया।

प्रज्ञा निकेतन में रैलिंग बनाने की घोषणा

जोधपुर, (कासं)। रोटरी क्लब ऑफ जोधपुर संस्कार ने जेएनवीयू की दिव्यांगजनों को समर्पित इकाई प्रज्ञा निकेतन संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैंप और रैलिंग निर्माण परियोजना की घोषणा की। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन टोनिना सांखला ने बताया कि इस मौके डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन पवन खंडेरेवाल और इंदिरा गुप्ता भी मौजूद थीं। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने संस्थापक डॉ. कुसुमप्रताप मंडारी का भी सम्मान किया, जिन्होंने स्वयं दिव्यांग होते हुए अन्य दिव्यांग बच्चों को भी समाज की मुख्य धारा से जोड़ने एवं अपनी विशेष योग्यता को पहचान कर प्रज्ञा निकेतन संस्थान की स्थापना की। प्रज्ञा निकेतन संस्थान की वार्डन एवं जेएनवीयू के लोक प्रशासन विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. मोना बरडिया ने स्वागत किया।

बार कौंसिल ऑफ राजस्थान की बैठक आयोजित

जोधपुर, (कासं)। बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष राम प्रसाद सिंगारिया की अध्यक्षता में बार संघों के होने वाले प्रस्तावित चुनाव 8 दिसम्बर से संबंधित बार संघों एवं अधिकवक्ताओं से प्राप्त शिकायतों के निवारण के लिए गठित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बार संघों एवं अधिकवक्ताओं से चुनाव से संबंधित प्राप्त शिकायतों पर विचार-विमर्श किया गया एवं विचार-विमर्श कर समिति ने उनका उचित निस्तारण किया। बैठक में बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के सदस्य इन्द्रनाथ चौधरी (सह-अध्यक्ष) ने भाग लिया एवं कपिल प्रकाश माथुर (उपाध्यक्ष), सैयद शाहीद हसन एवं देवेन्द्र सिंह राठीड ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

विश्व दिव्यांग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जोधपुर, (कासं)। आज पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बनाड में विश्व दिव्यांग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगता तथा विशेष शिक्षा के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगता के प्रकार का व्याख्यान के माध्यम से इसके रोकथाम व बचाव के बारे में जानकारी दी गई। दिव्यांगता के बारे में सरकारी की ओर से किये जा रहे प्रयासों व योजनाओ पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में जितेन्द्र ग्वाला (स्पेशल एजुकेटर) ने छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्राचार्य विष्णु दत्त टेलर ने विशेष शिक्षा का महत्व व विशेष शिक्षा की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।

सर्दी ने तेवर दिखाए

पाली (निर्सं)। दिसंबर माह लगते ही सर्दी ने अपने तेवर देखने शुरू कर दिया है, पिछले चार दिनों से सुबह-सुबह कोहरा छाया रहता है, वही हाईवे पर कोहरा छाने से वाहन चालकों की गति धीमी कर दि, ऐसे में बच्चों को स्वेटर टोपा पहन कर सर्दी में स्कूल जाना पड़ रहा है, बाजार भी 10ः बजे से पहले ठीी खुलते और रात्रि में जल्दी बंद हो जाते हैं, तापक्रम भी गिरकर 12 डिग्री पर आ गया है, शिक्षा विभाग द्वारा अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के बाद बच्चों की छुट्टियां होगी।

व्हीलचेयर भेंट की

जोधपुर, (कासं)। विश्व विकलांग दिवस के उपलक्ष में जॉयंट्स ग्रुप ऑफ रॉयल लेडीज का अध्यक्ष निरुपा पटवा ने मातेश्वरी अरोड़ा आदि सदस्यों के सहयोग से न्यू विधान शिक्षण संस्थान में चार व्हीलचेयर भेंट की। पटवा ने बताया कि कार्यक्रम में जयंट्स ग्रुप की कई महिलाओं ने भाग लिया। सचिव ममता चोरडिया ने सबका आधार जताया।



जालोर में राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर रंगोली बनाकर प्रचार किया।

फोटो राष्ट्रदूत

आपसी भाइचारे से राजीनामा करवा कर लोक अदालत का फायदा उठाए। साथ ही जिन लोगों के प्रकरण चल रहे हैं वे उन्हें अपने प्रकरणों में राजीनामा

करवाने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान हुआदेवी, कमलादेवी, वर्षा कुमारी, सुकी देवी, मना देवी, फाहु देवी आदि उपस्थित रहे।

दर्रज करवाई व बडे उत्साह के साथ 18 बहनों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक गण महावीर इंटरनेशनल की जॉन डायरेक्टर प्रमिला सालेचा एवं पार्शद व महावीर इंटरनेशनल की अध्यक्ष चन्द्रा बालड रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम अभातेमम सदस्य एवं मारवाड क्षेत्र प्रभारी मीना ओस्तवाल , द्वितीय निर्मला देवी सालेचा, तृतीय स्थान रेखा तुकड़ एवं श्वेता सालेचा ने प्राप्त किया। कार्यक्रम की दूसरी प्रतियोगिता थी कैसे युवतियां कर सकती हैं महिला मंडल को और रोशन इसके बारे में अपने सुझाव दिए।

बगैर विलंब शुल्क के आवेदन की अंतिम तिथि 30 दिसंबर

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा आवेदन आज से शुरू हो गए। बगैर विलंब शुल्क के आवेदन की अंतिम तिथि 30 दिसंबर रखी गई है।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय से जुड़े संभा के जोधपुर, जैसलमेर, जालौर, पाली और बाड़मेर जिले के सत्र2023-24में आयोजित स्नातक द्वितीय वर्ष, स्नातक तृतीय वर्ष, स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष और वार्षिक पद्धित पर आधारित डिप्लोमा पाठ्यक्रम

बे-टिकट यात्रियों से एक करोड़ से भी अधिक की वसूली

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने एक माह में पकड़े गए बिना टिकट यात्रियों एक करोड़ रुपए से भी अधिक का उल्लेखनीय राजस्व वसूल करने में सफलता हासिल की है। वसूला गया राजस्व लक्ष्य के मुकाबले लगभग 32 लाख रुपए अधिक है।

डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि जोधपुर मंडल पर चलाए जा रहे सघन टिकट जांच अभियान के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ ने नवंबर में इस क्षेत्र में उकृष्ट प्रदर्शन करते हुए बिना टिकट व अनियमित यात्रा के 23 हजार 405 मामलों से एक करोड़ 7 लाख 57 हजार 666 का उल्लेखनीय राजस्व वसूल किया है जिसमें गंदगी,धूम्रपान और अनबुकड लगेज के मामले भी

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस सात को

पाली, (निर्सं)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 07 दिसम्बर सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल गजेंद्र सिंह राठीड (सेवानिवृत्त) ने बताया कि सन 1949 से प्रत्येक वर्ष 07 दिसम्बर को देश में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के लिए बलिदान देने वाले शहीदों, युद्ध विकलांग सैनिकों, भू-पू सैनिकों तथा उनके परिवारों के प्रति अपनी कृतज्ञता दर्शाने का दिन है। यह दिन देश के नागरिकों और हमारे देश के सैनिकों के मध्य पारंपरिक मधुर संबंधों का प्रतीक है। इस दिन को मनाने के लिए केन्द्रीय सैनिक बोर्ड तथा राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा देश के सैनिकों के सम्मानार्थ प्रतीकात्मक टिकटक रूपी सशस्त्र सेना झंडे को देश के प्रत्येक जिले में भिजवाया जाता है जिसे जिला कलेक्टर के आदेशानुसार शिक्षा विभाग तथा अन्य विभागों के कार्यालयों को नागरिकों में बांटने के लिए भिजवाया जाता है।

निजी कंपनी सुरक्षा अधिकारी के साथ गार्ड ने मारपीट की

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती बोरूंद के खारिया खंगार गांव में एक निजी कंपनी के सुरक्षा अधिकारी के साथ गार्ड ने मारपीट की। उसे धमकियां दी गईं। बोरूंद पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बोरूंद पुलिस ने बताया कि खारिया खंगार में स्थित एक सीमेंट कंपनी के सुरक्षा अधिकारी दीनाराम पुत्र सुखदेवराम जाट की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें उसने पुलिस को बताया कि फैक्ट्री में तैनात सुरक्षा गार्ड बजरंग सिंह ने फैक्ट्री में घुसकर उसका रास्ता रोककर मारपीट की और जान से मारने की धमकियां दी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है। अग्रिम जांच की जा रही है।

थाना बासनी एसएचओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि हनुमानराम से जोधपुर ग्रामीण की पुलिस भी पूछताछ करेगी। वहीं चितौडगढ़ पुलिस को भी सूचित किया गया है। वहां के मामले में भी हनुमान राम वॉन्टेड है। बता दें कि

सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने तालाब पर श्रमदान किया

बाप, (निर्सं)। सीमा पर मोर्चा संभालने के अलावा सैनिक रचनात्मक सेवा कार्यों में भी बंदूबंद कर भाग लेते हैं। विधानसभा चुनाव इयूटी पर सिलीगुड़ी से बाप क्षेत्र में 195 बीएसएफ बटालियन ने चुनाव सम्पन्न करवाने के बाद रवाना यहां से होने से पूर्व ऐतिहासिक मेघराज सर तालाब पर श्रमदान कर आमजन को प्राचीन जल स्रोत सुरक्षित व व्यवस्थित रखने का मंत्र दिया। बटालियन के जवानों ने तालाब की सफाई व उगी झाड़ियां, कीकर, आक आदि की कटाई कर नगरपालिका द्वारा उपलब्ध ड्रेक्टर से कचरे का निस्तारण किया।

गांवों में कोहरा छाया, बाजार दर से खुले

बालोतरा, (निर्सं)। बालोतरा शहर में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। इससे शहर की दृश्यता काफी कम हो गई। कोहरे के कारण शहर के बाजारों में भी देरी से खुले। कई बाजारों में तो दोपहर तक भी दुकानें नहीं खुली। कोहरे के कारण यातायात भी प्रभावित रहा। कई जगहों पर वाहन चालकों को धुंध के कारण परेशानी हुई। कई वाहन दुर्घटनाओं में भी शामिल हो गए। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी कोहरा छाया रहने की संभावना है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। कोहरे के कारण ये हुई परेशानियां दृश्यता कम होने से लोगों को चलने-फिरने में परेशानी हुई। यातायात प्रभावित हुआ। कई जगहों पर वाहन दुर्घटनाएं हुईं। बाजारों में देरी से खुले। कई जगहों पर स्कूल-कॉलेज बंद रहे। मौसम विभाग का पूर्वानुमान मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी कोहरा छाया रहने की संभावना है।

निफ्ट में टेड एक्स

का आयोजन आज

जोधपुर, (कासं)। युवाओं में छिपी नवोन्मेषी क्षमता को निखारने और उन्हें विचारों के जरिए नई परिभाषाएं गढ़ने का अवसर देने के लिए वक्त्र मंत्रालय के राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में टेड एक्स का आयोजन पांच दिसंबर को होगा। इस कार्यक्रम में देश की नामचीन हस्तियां युवाओं को सफलता के मंत्र देगी।

संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ जौएचएस प्रसाद ने बताया कि इस कार्यक्रम में विराट हिन्दुस्तान संगम के अध्यक्ष एवं पूर्व यूनियन मिनिस्टर डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी, पद्मश्री अवार्डी और भारतीय लोक गायिका मालिनी अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार स्मिता प्रकाश, मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. जय मदान, टैक्सटाइल एवं फैशन डिजाइनर गौरांग शाह, रुबिक क्यूब चैंपियन चिन्मय प्रभु, चीफ ग्रोथ ऑफिसर और ग्लोबल बुक पब्लिशिंग के को-फाउंडर एश अक्षय गोयल शिरकत करेंगे।

टेन में निर्धारित छूट से अधिक वजनी सामान ले जाने पर नवंबर माह में पकड़े गए 13 यात्रियों से 9 हजार 489 रुपए के राजस्व की वसूली की गई।

जसोल मां के आशीर्वाद से हर काम सफल होता : भायल

■ ‘श्री राणीसा भटियाणीसा का आशीर्वाद हमेशा मुझे मिला है’

महादेव मठ (गाजियाबाद) महन्त श्री नारायणगिरि जी महाराज का आशीर्वाद लिया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि श्री राणीसा भटियाणीसा का आशीर्वाद हमेशा मुझे मिला है। जिसकी बदौलत सिवाना की देवतुल्य जनता का तीसरी बार सेवा करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि मैं जसोलधाम जब भी आया मुझे मां ने खाली हाथ नहीं भेजा। हर बार मेरी मुराद को पूरा किया।

इस बार भी सिवाना से टिकिट

एक लाख के इनामी से अब ग्रामीण पुलिस पूछताछ करेगी

■ दो दिसंबर को गिरफ्तार किया था

जोधपुर की पश्चिम जिले की पुलिस और डीएसटी ने मिलकर एक लाख रुपए के इनामी मादक पदार्थ तस्करी गैंग के अंतरराज्यीय सरनाम हनुमानराम को गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस मुख्यालय ने एक लाख का इनाम घोषित किया था। आरोपी पिछले 8 माह से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट सहित जानलेवा हमले के 8 मामले दर्ज हैं।

एसीपी बोरानाडा नरेंद्र सिंह ने बताया कि जोधपुर ग्रामीण में एक लाख का इनामी आरोपी हनुमानराम उर्फ टूटिया एक स्कार्पियो में आने की सूचना

महाविद्यालय में मिडटर्म परीक्षाएं 12 से

बाप, (निर्सं)। बाप में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा प्रायोजित राष्टीय शिक्षा नीति 2020 के तहत आंतरिक मूल्यांकन के लिए मिडटर्म परीक्षाएं 12 दिसंबर से प्रारंभ हो रही है।

महाविद्यालय में इस तरह की यह परीक्षा पहली बार हो रही है। बाप महाविद्यालय में परीक्षा प्रभारी डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि प्रत्येक पेपर 21 अंक का होगा।

यह परीक्षा प्रथम सेमेस्टर के सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। जो छात्र इस परीक्षा में भाग नहीं लेगा, वह सेमेस्टर अंत की परीक्षा में भी नहीं बैठ पाएगा।

पोकरण में महंत प्रताप पुरी का जादू चला

विधानसभा चुनावों में भाजपा के ही शैतान सिंह राठीड ने 34444 मत लेकर जीत हासिल की थी, वहीं कांग्रेस पार्टी के कैबिनेट मंत्री साले मोहम्मद चौथी बार चुनावी मैदान में रहे जिसमें दो विधायकसभा चुनाव के दौरान मात्र कुछ मतों से जीत हासिल की थी वहीं भाजपा के संत को हराने के तोहफे में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया था। जिसका रिकॉर्ड भाजपा के ही महंत प्रतापपुरी ने तोड़ दिया है। सुबह करीब 8 बजे से पोकरण सीट पर वोटो की गिनती शुरू हुई और शाम होते-होते परिणाम स्पष्ट हो गए। जहां पहले चरण में कांग्रेस के शालेह मोहम्मद आगे थे तो वहीं दूसरे चरण के बाद महंत ने लगातार बढत हासिल की जो अंतिम तक जारी रही।

सार-समाचार

पश्चिमी विक्षोभ ने सर्दी का सितम बढ़ाया

जोधपुर, (कासं)। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता ने एक बार फिर से सर्दी के तेवर तीखे कर दिए हैं। रविवार से ही मौसम में बदलाव देखने को मिल गया है। आज भी शहर सुबह से ही कोहरे में लिपटा नजर आया। कोहरा इतना घना था कि वाहन रेंग रेंग कर चल रहे थे। धूप पूरी तरह नहीं खिलने से लोगों को कंपकंपी छूटती रही। मौसम विभाग ने प्रदेश के कुछेक हिस्सों में गर्जना के साथ बारिश की संभावना जताई है। प्रदेश सहित मारवाड़ में सोमवार को सुबह से ही कोहरा छाया रहा। घने कोहरे के चलते लोगों को सुबह के समय में अपनी गाडियों की हैडलाइट जलानी पड़ी तो सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों का भी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही धूप लगभग गायब रही। सूर्यदिव के दर्शन नहीं होने से लोगबाग धूप को तरसते रहे। मौसम विभाग ने आगामी दो दिन तक पश्चिमी विक्षोभ का असर बने रहने की संभावना व्यक्त की है। जिससे सर्दी का सितम बढ़ने के साथ रात और दिन के तापमान में गिरावट दर्ज हो सकती है। आज दिन का तापमान 15 डिग्री तक बना रहा। हालांकि हवा की गति धीमी थी।

शिविर का आयोजन

पाली (निर्सं)। सेठ मुकनचंद बालिया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मे सोमवार को उप प्रधानाचार्य के सानिध्य मे एनएसएस के एक दिवसीय कैप का आयोजन किया गया जिसमे बालिकाओ द्वारा विद्यालय की साफ सफाई के साथ विभिन्न सुजनतात्मक कार्य किये गए। कार्यक्रम अंतिमकारि जसविंदर कौर ने बताया कि इस मोके पर उप प्रधानाचार्य संधीका पालरिया ने कहा कि यह एक दिवसीय शिविर बालिकाओं मे स्वालम्बर की सीख उपन्न करेगा। कार्यक्रम अधिकारी जसविंदर कौर ने अपने उद्घोघन में कहा कि सेवा ही परम धर्म की सीख के साथ एनएसएस छात्राओं द्वारा विद्यालय प्रांगण में साफ सफाई की गई,पॉलीथिन की थैलियों व अन्य कचरे का निस्तारण किया गया।इसके अलावा उन्होंने विद्यालय की वाटिका में पौधों के सार संभाल का कार्य किया। इसके बाद छात्राओं को अल्पाहार कराया गया। अल्पहार के पश्चात छात्राओं ने देश भक्ति से ओत-प्रोत कविताएं बोली।

महिला ने जेवरत का बॉक्स चुराया

जोधपुर, (कासं)। शहर के त्रिपोलिया बाजार में आई एक ज्वैलरी की दुकान में खरीदारी के बहाने आई दो महिलाएं ज्वैलरी का बॉक्स चुरा ले गईं। उनका यह कृत्य सीसीटीवी फुटेज में नजर आ गया। फुटेज का वीडियो वायरल हुआ है। फिलहाल दुकानदार को तर्फ से पुलिस में रिपोर्ट नहीं दी गई है। महिलाओं द्वारा एक ज्वैलरी से भरा बॉक्स अपने अंतरस्तर में डालने का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में यह साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह दो महिलाएं दुकान पर खरीद के बहाने आई और फिर बॉक्स को चुरा ले गईं। बताया जाता है कि बॉक्स में आर्टिफिशियल गहने थे।

भाजपा की जीत पर जश्न मनाया

पाली, (निर्सं)। पाली निकट ग्राम रूपावास में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांव के मुख्य चौराहे पर भाजपा की तीन राय्यों छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान में ऐतिहासिक जीत होने पर एक-दूसरे का मुँह मीठा करवाकर तथा गांव के विभिन्न मार्गों से गाजे बाजे व डीजे की धुन पर बुलुंडेजर व दुपहिया वाहन रैली निकालकर जश्न मनाया गया। साथ ही सुमेरुपर विधानसभा से दूसरी बार जीते विधायक जोराराम कुमावत का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

युवक की गोली मारकर हत्या का आरोप, परिजनों ने प्रदर्शन किया

चिकित्सकों ने एक्सीडेंट का मामला बताकर जयपुर के लिए रैफर कर दिया था

करोली, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीप अकोलपुरा गांव निवासी एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मामले में परिजनों ने एसपी कार्यालय पर शव के साथ प्रदर्शन कर विरोध जताया है। वहीं कलेक्ट्रेट सर्फिल को भी पूरी तरह से जाम कर दिया। सूचना पर एसपी सुरेश जैफ, डीएसपी अनुज शुभम, कोतवाली सीआई हेमेंद्र चौधरी, सदर थाना

■ **जयपुर में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई थी, शव से गोली निकाली गई थी**



करोली कलेक्ट्रेट सर्फिल पर पीड़ित परिवारजनों के साथ लोगों ने धरना देकर जाम लगाया।

अधिकारी हेमराज शर्मा मौके पर पहुंचे और समझाइश की। बाद में एडीएम से मुलाकात कर मांगें रखी। इस दौरान कलेक्टर ने एक घंटे में पहुंचने का आश्वासन दिया। लेकिन एक घंटे बाद भी कलेक्टर के नहीं पहुंचने पर पुरानी कलेक्ट्रेट चौराहे पर शव रख जाम लगा दिया और घरना शुरू कर दिया।

जिससे दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। करीब डेढ़ घंटे से अधिक समय तक चले जाम के कारण वाहन चालक और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब

दो घंटे बाद डीडी आईसीडीएस अशोक सांखला, एसपी सुरेश जैफ ने परिजनों से समझाइश कर आरोपियों की शीर्ष गिरफ्तारी, नियमानुसार सरकारी मुआवजा देने, नौकरी के लिए अनुशंसा और जांच कमेटी से रिपोर्ट मिलने के बाद दोषी चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। आश्वासन पर परिजन सहमत हो गए और शव को लेकर रवाना हो गए। इसके बाद पुलिस ने जाम हटाकर यातायात सुचारु कराया।

परिजनों का आरोप है कि घायल

युवक को 2 दिसंबर को करोली अस्पताल ले गए थे। जहां चिकित्सकों ने एक्सीडेंट का केस बताकर जयपुर रैफर कर दिया। युवक की जयपुर में मौत हो गई। जहां उसके शव से गोली निकाली गई। परिजनों का आरोप है कि कुछ युवक दो दिसंबर को मृतक हेमेंद्र युवक को रिपोर्ट दी कि वह अपने गांव के ही चालक लेखराज पुत्र सुखलाल गुर्जर के साथ टुक पर

बेकाबू होकर पलटा ट्रक, चालक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा जिले के हनुमाननगर थाना क्षेत्र में अंबाला जा रहा ट्रक अचानक सामने आई गाय को बचाने के प्रयास में बेकाबू होकर पलट गया। ट्रक के नीचे दबकर चालक की मौत हो गई, जबकि खलासी घायल हो गया। हनुमान नगर पुलिस ने बताया कि बूंदी जिले के टरकिया निवासी हंसराज (28) पुत्र गंगाराम गुर्जर ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि वह अपने गांव के ही चालक लेखराज पुत्र सुखलाल गुर्जर के साथ ट्रक पर

का मामला बताकर जयपुर के लिए रैफर कर दिया। जयपुर में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। पोस्टमार्टम में युवक के सिर में गोली मिली है। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी, दोषी चिकित्सकों पर कार्रवाई की मांग को लेकर के धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। मामले को लेकर प्रदर्शनकारियों

ने कलेक्ट्रेट के सामने हाईवे पर भी जाम लगाने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस ने समझाइश कर यातायात सुचारु कराया। पीड़ित परिवार ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है मृतक दो भाई और एक बहन थे। मृतक हेलपर का काम करता था जबकि मृतक का पिता मजदूरी का काम करता है।

बाड़मेर में दो पूर्व विधायक के पुत्रों ने बाजी मारी

जालोर, (कासं)। बाड़मेर जिले की सात सीटों पर इस बार विधानसभा चुनाव काफी चर्चाओं में रही जिसमें सबसे चर्चित सीट शिव विधानसभा क्षेत्र की रही। वही गुडामालानी व पंचपदरा सीट दो पूर्व विधायक के पुत्र ने बाजी मारकर सबको चौंका दिया।

वहीं बाड़मेर सीट पर भाजपा की बागी प्रियंका चौधरी ने बगावत करते हुए भाजपा प्रत्याशी की जमानत जन्न करवा दी। भाजपा प्रत्याशी ने प्रदेश में सबसे कम मत भाजपा उम्मीदवार के रूप में प्राप्त किये। शिव में निर्दलीय उम्मीदवार रविन्द्रसिंह भाटी ने अपने दम पर ताल ठोककर चुनाव जीतकर प्रदेश में सबसे चर्चित सीट के रूप में नजर आई। बाड़मेर जिले की सात सीटों में चार पर भाजपा, एक पर कांग्रेस व दो पर निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। बाड़मेर विधानसभा क्षेत्र की सीट पर टिकट मिलने से पूर्व ही भाजपा की प्रियंका चौधरी ने भाजपा समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल कर दिया। लेकिन प्रियंका का सतपाल मलिक का साथ देने से भाजपा ने एगवक्त पर टिकट काटकर नये चेहरे के रूप में दीपक कडवत्सरा को खड़ा किया। दीपक को टिकट मिलने के बाद प्रियंका ने भाजपा से बगावत करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़कर कांग्रेस से लगावार जीत दर्ज करने वाले मेवाराम जैन को 13337 मतों से पराजित किया।

निर्दलीय प्रियंका की जीत काफी चर्चाओं में रही। वहीं शिव विधानसभा सीट पर इस बार भाजपा के जिलाध्यक्ष स्वरूपसिंह खारा व कांग्रेस के जिलाध्यक्ष फतेह खान की साख दांव पर लगी थी। वहीं इस क्षेत्र में दसवीं बार

■ **भाजपा के दो बागियों ने चुनाव जीत कर ताकत दिखाई, शिव सीट सबसे चर्चित रही**

चुनाव लड़ रहे वयोवृद्ध अमीन खान के लिए भी यह उनका अंतिम चुनाव होने से जीत उनके लिए अहम थी। ऐसे में जेएनयूवी के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रविन्द्रसिंह भाटी ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय ताल ठोकर प्रदेश की नजरों में सबसे चर्चित सीट बना दिया। कांग्रेस के बागी फतेह खान व भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय रविन्द्रसिंह भाटी के शिव में ताल ठोकने से कांग्रेस के अमीन खा व भाजपा के खारा के जीत के आसार कम हो गये। ऐसे में भाटी युवाओं के आइकॉन बनने के साथ भाटी को प्रदेशभर के युवाओं का पूर्ण समर्थन मिला। वहीं भाटी भी युवा जोश के साथ यूनिवर्सिटी स्ट्राईड में निर्दलीय चुनाव लड़ने की ठानने से शिव के चुनाव काफी चर्चाओं में रहे। भाटी ने निर्दलीय चुनाव जीत कर यह बता दिया कि जनता की मांग पर चुनाव लड़ने के लिए किसी भी पार्टी के सिम्बल की आवश्यकता नहीं है। भाटी ने निर्दलीय फतेह खान को 3950 मतों से पराजित किया।

निर्दलीय रविन्द्रसिंह भाटी के विजयी होने पर प्रदेश भर के युवाओं में जोश नजर आया। वहीं इस बार गुडामालानी व पंचपदरा की सीट पर दो पूर्व विधायक के पुत्र चुनावी रण में खड़ा होने से पूर्व विधायक की साख भी दांव पर थी। ऐसे में गुडामालानी सीट पर भाजपा के पूर्व

विधायक लादूराम के पुत्र कृष्ण कुमार विश्नोई व पंचपदरा में पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी के पुत्र अरूण कुमार चौधरी को टिकट देने से इस सीट पर भी सभी की नजरें टिकी हुई थी। गुडामालानी सीट पर भाजपा के कृष्ण कुमार विश्नोई ने कांग्रेस के कर्नल सोनाराम को 15217 मतों पराजित किया। कर्नल सोनाराम कुछ समय पहले ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आये तथा सबसे सुखित सीट गुडामालानी से चुनाव लड़ा। लेकिन पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी साथ होने के बाद भी सोनाराम नहीं जीत पाये। यदि इस सीट पर हेमाराम चुनाव लड़ते तो यह सीट कांग्रेस जीत सकती थी। लेकिन सोनाराम को जनता ने अस्वीकार किया।

पंचपदरा सीट पर पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी के पुत्र अरूण चौधरी के चुनाव मैदा में खड़े होने से इस सीट पर बालोतरा को जिला बनाने वाले मदन प्रजापत अपनी जीत को लेकर काफी आश्वासत थे। लेकिन आरएलपी के थानसिंह डोली के चुनावी मैदान में उतरने से भाजपा के चौधरी की राह आसान हो गई तथा अरूण चौधरी ने कांग्रेस के प्रजापत को 2529 मतों से पराजित किया। बाड़मेर में दो पूर्व विधायक के पुत्रों की जीत भी काफी चर्चा में रही। खासकर बाड़मेर व शिव से निर्दलीय प्रत्याशियों के जीता प्रदेश भर में चर्चा का विषया बना रहा। बाड़मेर में सिलाना से कांग्रेस के मानवेन्द्रसिंह, गुडामालानी से कर्नल सोनाराम चौधरी, बाड़मेर से मेवाराम जैन, शिव से अमीन खान को हार का सामना करना पड़ा। बाड़मेर की सात सीटों इस बार काफी चर्चित रहने से प्रदेश भर की नजर इस पर टिकी रही।

सैनिक स्कूलों की नौवीं कक्षा में पहली बार पढ़ेंगी बेटियां

बीकानेर, (निसं)। बदलते दौर के साथ-साथ बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ अभियान के तहत बालिका शिक्षा के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं जो देश में बेटियों के लिए अच्छा कदम है। इस कड़ी में रक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष चुनिंदा स्कूलों की कक्षा नौ में भी लड़कियां को प्रवेश देने का निर्णय किया है। जिससे अब बेटियां भी सेना के क्षेत्र में अपना परचम लहराएंगी। सैनिक स्कूलों में इससे पहले कक्षा नौवीं के लिए केवल छात्र ही पाठ हुआ करते थे।

देश के 33 सैनिक स्कूलों और 19 नए सैनिक स्कूलों में सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसके ऑनलाइन आवेदन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की वेबसाइट पर 16 दिसंबर तक स्वीकार किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि देशभर के 33 सैनिक स्कूलों में से 2 स्कूल राजस्थान के झुंझुनू और चित्तौड़गढ़ जिले में संचालित हैं। इनकी 67 प्रतिशत सीटों पर राजस्थान के विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वहीं, 33 फीसदी सीट दूसरे राज्यों के विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रहेंगी। इसके साथ ही एससी के लिए 15 फीसदी, एसटी के लिए साढ़े सात फीसदी, ओबीसी के लिए 27 फीसदी सीट आरक्षित है। इसके अलावा कुछ सीट रक्षाकर्मियों व भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए आरक्षित

■ **कक्षा छह और नौवीं में प्रवेश के लिए आवेदन 16 तक**

रहती है राज्य में छठी कक्षा के लिए 200 तथा 9 वीं के लिए 35 रिक्तियां हैं। जिन पर दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा 21 जनवरी को अजमेर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, जयपुर, झुंझुनू, जोधपुर कोटा और श्रीगंगानगर जिले के परीक्षा केंद्रों पर होगी। कक्षा छह में प्रवेश के लिए विद्यार्थी की उम्र 31 मार्च 2024 को 10 वर्ष से 12 वर्ष के बीच में होनी चाहिए। नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए विद्यार्थी की उम्र 31 मार्च 2024 को 13 वर्ष से 15 वर्ष के मध्य व मान्यता प्राप्त स्कूल से आठवीं कक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है।

शिक्षक संघ रसेटा, प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलाबद ने कहा कि सैनिक स्कूलों में प्रवेश परीक्षा में बेटियों को शामिल करने का निर्णय का स्वागत है। एआईएसएसई-2024 के तहत कक्षा छह के पेपर में प्रवेश हेतु 125 प्रश्न जबकि कक्षा नौ के लिए 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। इन बहुविकल्पीय सवालों का जवाब पेपर पेंसिल मोड से ओएमएफ शीट पर देना होगा। विद्यार्थियों को पेपर के प्रत्येक विषय में 25 तथा समेकित रूप से न्यूनतम 40 फीसदी अंक लाना जरूरी है।

पांच उम्मीदवार तो नोटा से ही हारे

छबड़ा (निसं)। विधानचुनाव के तहत यहां दस उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। जिसमें भाजपा के प्रतापसिंह सिंघवी ने एक बार फिर विजयश्री हासिल की। किंतु आश्चर्य की बात यह रही कि पांच उम्मीदवार तो नोटा से ही हार गए।

रविवार को हुई मतगणना के बाद चुनावी आईना पूरी तरह साफ हो गया। यहां भाजपा के प्रतापसिंह सिंघवी ने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कारणसिंह राठौड़ को 5108 मतों से शिकस्त देकर विजयी हुए। लेकिन इस चुनाव में एमएलए बनने का स्वप्न संजोए हुए पांच प्रत्याशियों को तो नोटा ने ही हरा दिया। मतलब इनसे ज्यादा तो नोटा को ही मतदाताओं ने चुन लिया।

इसके चलते परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया के चिंदूलाल अहीर को 1082, बहुजन समाज पार्टी के छीतरलाल को 1327, अभिनव लोकतंत्र पार्टी की रूपकंवर को 1674, निर्दलीय जयनारायण को 2115, आम आदमी पार्टी के गिरांज प्रसाद मीणा को 2918 मत मिले। जबकि इनसे ज्यादा 3101 मतदाताओं ने नोटा चुना। वहीं, चुनावी माहौल में दमखम दिखाने वाले निर्दलीय उदेंद्र शर्मा भी अपनी जमानत नहीं बचा पाए। शर्मा को केवल 13386 वोट मिले।

महिला की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती ओसियां तहसील के जाटीपुरा गांव में खेत में कीटनाशक का छिड़काव करते एक महिला की तबीयत बिगड़ गई। इसको उपचार के लिए ओसियां अस्पताल में भर्ती करवाया गया, मगर मौत हो गई।

मृतका के पुत्र की तरफ से पुलिस ने मर्ग दर्ज कर शव परिजन को सौंपा। जाटीपुरा ओसिया निवासी विश्वनाराम पुत्र नारायण जाट ने पुलिस को बताया कि शाम के समय उसकी माता पारु देवी खेत में कीटनाशक का छिड़काव कर रही थी। इसी दौरान कीटनाशक के प्रभाव से समय बेहोश हो गई थी। उनको को इलाज के लिये तत्काल अस्पताल लेकर गए। मगर बाद में उपचार के बीच उनकी मौत हो गई। ओसियां पुलिस ने घटना में मर्ग दर्ज किया है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया।

नोखा में हावी रहा सहानुभूति फैक्टर,

नोखा विधानसभा के मतों की गणना के दौरान आधे से ज्यादा राउंड तक भाजपा

नोखा में हावी रहा सहानुभूति फैक्टर, कांग्रेस की सुशीला डूडी विजयी

भाजपा के चक्रव्यूह से नोखा सीट बचा ले गई डूडी फैमिली

नोखा, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र ने कांग्रेस की सुशीला डूडी को अपना विधायक चुन लिया है। कुल पोल हुए 2 लाख 14 हजार 219 मतों में से डूडी ने 83 हजार 215 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। मुकाबले में भाजपा के बिहारीलाल बिशोई रहे। पार्टी ने यहां टिकट रिपीट कर उन्हें प्रत्याशी बनाया था। यहां कांटे का मुकाबला था, जो मतगणना के दौरान भी साफ दिखा।

नोखा विधानसभा के मतों की गणना के दौरान आधे से ज्यादा राउंड तक भाजपा

■ **पुष्कर विस. क्षेत्र से आए परिणामों ने एक बार पुनः सबको आश्चर्यचकित किया**

डॉक्टर बाहेती को पुष्कर तथा पुष्कर के आसपास के क्षेत्र तथा रूपनगढ़ क्षेत्र से अच्छी मात्रा में वोट मिलने की उम्मीद थी वहां भी परिणाम वैसा नहीं रहा। इस बारे में डॉक्टर बाहेती ने कहा

कि निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने पर विशेष कर महिलाओं ने मुझे नकार दिया है क्योंकि मेरी पहचान कांग्रेस से ही थी क्योंकि मैं पिछले काफी वर्ष से कांग्रेस से जुड़ा हुआ था। मैं अजमेर शहर कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर भी कार्य किया तथा कांग्रेस में रहते हुए अजमेर नगर सुधार न्यास के अध्यक्ष पद पर कार्य किया तथा शहर में विकास के कार्य करवाए। सन् 2003 में कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर पुष्कर विधानसभा से चुनाव लड़ा तथा

पुष्कर से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर विजय प्राप्त की इसलिए मेरी पहचान कांग्रेस से ही थी। जब उन्होंने कुछ महिलाओं से पूछा कि वोट कैसे दिया है तो उन्होंने कहा कि वोट तो हमने हाथ को ही दिया है तो उन्होंने कहा कि मेरा चुनाव चिन्ह बाल्टी था तो महिलाओं ने कहा कि हम तो आपको हाथ से ही पहचानते हैं क्योंकि आपने तो हाथ के चुनाव चिन्ह पर ही पूर्व में पुष्कर से चुनाव लड़ा था तथा विजय प्राप्त की थी।

और कांग्रेस दोनों ही प्रत्याशियों के समर्थक जीत को लेकर आश्वस्त नहीं थे। भाजपा के बिहारीलाल ने शुरुआत में अच्छी बढ़त बनाई, फिर कुछ राउंड में कांग्रेस की सुशीला डूडी के पक्ष में ज्यादा मत निकले। इसके बाद डूडी और बिहारी में कई राउंड कांटे का मुकाबला चला। बाजी कांग्रेस की सुशीला डूडी ने ही मारी। जब 15 राउंड की मतगणना के बाद मतगणनाकर्मी भोजन करने लग गए। मतगणना रोक दी गई और सोशल मीडिया पर बिहारीलाल की जीत को लेकर पोस्टें

वायरल होने लग गई। ऐसे में मतगणना स्थल पर लोगों से वास्तविकता का पता लगाने के लिए लोग सम्पर्क साधने लग गए। बाद में तीन राउंड तक डूडी ने लीड कायम रखी। इसके बाद भी भाजपा कार्यकर्ता निराश नहीं हुए। माना जा रहा था कि अंतिम के पांच राउंड में नोखा शहर की ईवीएम खुलेगी और भाजपा को बड़ी बढ़त मिलेगी। परन्तु ऐसा नहीं हुआ और अंततः सुशीला डूडी को विजेता घोषित किया गया। नोखा सीट पर भाजपा के बिहारीलाल और कांग्रेस

के रामेश्वर डूडी के खेमे में है। अभी रामेश्वर डूडी के अस्वस्थ होने के चलते उनकी पत्नी सुशीला डूडी को पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारा। सहानुभूति फैक्टर प्रभावी दिखा। कन्हैयालाल झंवर ने शहरी वोटों में बड़ी सेंधमारी कर बिहारी को पछाड़ने का काम कर दिया। भाजपा की उम्मीद निर्दलीय प्रत्याशी मगनाराम केडली पर थी। जो कांग्रेस के वोटों में सेंधमारी कर रहे थे। उन्होंने सेंधमारी की भी, लेकिन इतनी नहीं कर पाए, जितनी झंवर ने भाजपा के वोटों में कर दी।

दो दशक बाद वल्लभनगर सीट पर भाजपा की वापसी हुई

जिले की सबसे हॉट सीट मानी जाती

है जहां के परिणाम चौंकाते हैं

■ **इस सीट पर रणधीर सिंह भीण्डर की जनता सेना हर चुनाव में अपना वर्चस्व दिखाती है**

■ **जनता सेना सुप्रीमो ने चुनाव के बाद कहा कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे**

■ **जनता के आशीर्वाद से भाजपा की जीत हुई है : उदयलाल डांगी**

विधानसभा चुनाव में राजनीतिक समीकरण बदलने के साथ ही उदयलाल डांगी ने भाजपा में वापसी की। हालांकि उनके आने से यहां भाजपा के लिए मेहनत कर रहे हिम्मत सिंह झाला को अपनी राजनितिक म्हात्वाकांक्षा त्यागनी पड़ी। उदयलाल डांगी ने 20060 वोटों से जीत दर्ज की, कांग्रेस की प्रीति शक्तावत दूसरे नंबर पर रही और जनता सेना की दीपेंद्र कुंवर को तीसरे नंबर पर रही। दोनों महिला उम्मीदवारों की पराजय को राजपूत मतों के विभाजन का शिकार बताया जा रहा है।

इस विधानसभा चुनाव में जनता सेना के सुप्रीमो रणधीर सिंह भींडर ने

अपनी पत्नी दीपेन्द्र कुंवर को मैदान में उतारा था क्योंकि कांग्रेस ने प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत को उतारा था, सोच थी कि महिला होने का लाभ मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

वहीं भाजपा ने वर्ष 2018 में हार का सामना करने वाले उदयलाल डांगी को वापस मौका दिया। चुनावी मुकाबले में भाजपा ने आखिर 20 साल के राजनितिक सूखे को खत्म कर दिया है। इस विधानसभा पर इस बार पांच प्रत्याशियों की जमानत जन्न हुई। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को भी जीतने के लिए दमखम लगाना पड़ रहा है।

वल्लभनगर विधानसभा से जीते भाजपा प्रत्याशी उदयलाल डांगी ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से भाजपा की जीत हुई है। जीत का पूरा श्रेय वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र की जनता को है। मुझे जनता ने सेवा करने का मौका दिया, जिसके लिए मैं जीवनभर इस क्षेत्र जायेगी। डबल इंजन की सरकार से ऐसा विकास होगा जो 70 सालों में नहीं हुआ। इधर जनता सेना के सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर कहा कि ये उनका आखिरी चुनाव था अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे और मतदाताओं को आभार जताया था।

इनको हुआ है।

ईंट भट्टा करीगर कैलाश प्रजापत ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी कच्ची ईंट तैयार की जा रही थी और इस क्षेत्र में लगभग सभी ईंट

भट्टों पर हजारों की संख्या में कच्ची ईंटें पकाने के लिए तैयार थी। अचानक से वे मौसम बरसात हुई जो कल पूरे दिनभर चलती रही। इस बरसात ने सारी कच्ची ईंटों को खत्म कर दिया।

बेमौसम बरसात बड़ी आफत लेकर आई। इससे लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। अब नुकसान के बाद उनके सामने घर परिवार चलाने की बड़ी चुनौतियां उत्पन्न हो गई हैं। बेमौसम

बरसात ने उम्मीद की ईंटों पर भी पानी फेर दिया है। कई ऐसे परिवार जिनकी कीटी-रोटी का साधन यह ईंटें थी जिनके बिखरने से इनके कई अरमान भी बिखरे हैं।



रावतभाटा उपखंड क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण अंचल कुंडाल, बोराव, जावदा सहित विभिन्न क्षेत्रों में इन दिनों खेतों में सरसों की अगेती फसल अपने पूरे परवान पर है। अमूमन बसंत के मौसम में खिलने वाले सरसों के पीले फूल खेतों में खिलने लगे हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है कि जैसे मानों धरा ने पीली चुनरियां ओढ़ ली हो। सरसों के फूलों की महक खेतों में बिखरने लगी है। वहीं दो दिन से एकाएक बड़े सर्दी के मिजाज से किसानों को फसलों में फायदे की उम्मीद है। मौसम अब तक सरसों के अनुकूल रहा है। ऐसे में फसलों की बढ़वार सही होने से खेतों में फसलें लहलहाने लगी है। साथ ही गेहूँ, लहसुन की फसलें भी इन दिनों खेतों में लहलहा रही है, जिसे देख किसानों के चेहरों पर खुशी है। खेतों में हरियाली और पीले फूलों का नजारा राह चलते लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

मोबाइल चोरी करने वाले पांच शातिर गिरफ्तार

आठ लाख के 20 मोबाइल जब््त किए

अजमेर, (कासं)। शहर में सक्रिय मोबाइल चोरी करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ दरगाह थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल चोरी करने वाले पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 लाख रुपए की कीमत वाले 20 ब्रांडेड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। शातिर चोर ख्वाजा साहब की महाना छठी व दरगाह आने जाने वाले जायरीन से भीड़ भाड़ का फायदा उठाकर बारदात अंजाम देते थे। दरगाह थाना पुलिस टीम ने जुलाई माह से 4 दिसंबर तक करीब 72.50 लख रुपए कीमत के 271 मोबाइल फोन

■ **दरगाह थाना पुलिस टीम ने जुलाई माह से अब तक 72.50 लाख के मोबाइल बरामद किये**

बरामद किए हैं। पुलिस मामले में गहनता से पूछताछ में जुटी है।

दरगाह थाना प्रभारी जगदीश मीणा ने बताया कि एसपी चूनाराम जाट के दिशा निर्देशों पर चोर, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दरगाह

थाना पुलिस ने दरगाह क्षेत्र में भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल चोरी करने वाली गैंग के दरगाह क्षेत्र में सक्रिय होने की सूचना पर टीम ने दरगाह क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और बदमाशों को चिन्हित किया।

पुलिस टीम ने सक्रिय संगठित मोबाइल चोर गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच शातिर चोरों को दबोच लिया। पुलिस ने अजमेर निवासी गयासुद्दीन पुत्र अब्दुल, गुलाब सिंह पुत्र स्वर्गीय गोपाल सिंह, सद्दाम हुसैन पुत्र समसुद्दीन, अजीम खान पुत्र जलील खान सहित चांद मोहम्मद पुत्र अब्दुल

हसन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8 लाख रुपए की कीमत वाले 20 विभिन्न कंपनियों के ब्रांडेड मोबाइल फोन बरामद कर जब््त किए हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जुटी है। थाना प्रभारी मीणा ने बताया कि गिरफ्तार सद्दाम हुसैन के खिलाफ पूर्व में 8, चांद मोहम्मद के खिलाफ 6 मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि दरगाह पुलिस ने जुलाई महीने से अब तक कार्रवाई करते हुए 72.50 लाख रुपए कीमत के 271 मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

युवक ने फांसी लगाई

भीलवाड़ा, (निस्)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने किराए के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस के अनुसार सुभाष नगर बायोस्कोप के पीछे रहने वाले ओजियाना बदनोर निवासी अनिल पिता दुदराम रेगर (28) ने रविवार देर रात अपने कमरे पर फांसी का फंदा लगा लिया। मकान मालिक को जब पता लगा तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंच युवक के परिजनों को सूचित किया और युवक को महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। आज सुबह मृतक का पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव उसके परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल युवक की मौत के कारणों पता नहीं लग पाया है। युवक अपने गांव से भीलवाड़ा आकर किराए के मकान में रह रहा था और आरसीसी ठेकेदार के साथ काम करता था।

वर्षा के कारण दीवार ढहने चार वाहन दबे, एक घायल

शहर के अम्बामाता क्षेत्र का मामला

उदयपुर, (कासं) । पिछले दो दिनों से शहर में हो रही वर्षा के कारण रविवार रात शहर के ऐतिहासिक अम्बामाता मंदिर के समीप की दीवार कमजोर होकर गिर गई। हादसे के दौरान चार वाहन दीवार के नीचे दबने से क्षतिग्रस्त हो गए जबकि एक क्षेत्रवासी भी गंभीर घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार शहर के एतिहासिक अम्बामाता मंदिर के पीछे हाल ही में एक अंधूरी दीवार का काम पूरा किया गया था। बताया जाता है कि दीवार बनाने वाले ठेकेदार ने पूर्व में मिट्टी से बनी आधी दीवार पर ही बाकी दीवार को चूने आदि से पूरा कर दिया। दो दिन की बारिश के चलती रविवार रात यह दीवार भर-भरा कर गिर गई। इस दीवार के पीछे राव कालोनी स्थित है। इस

■ **एतिहासिक अम्बामाता मंदिर के पीछे हाल ही में एक अंधूरी दीवार का काम पूरा किया था**

■ **दो दिन की बारिश के चलती रविवार रात यह दीवार भर-भरा कर गिर गई**

कॉलोनी के बाशिंदों के वाहन इस दीवार के समीप ही पार्क किये जाते है। हादसे के दौरान यहीं पर खाड़ी 3 कोरे पूर्णतया क्षतिठास्त हो गई। हादसे के दौरान अपनी बाइक लेने गया हरिकिशन राव पैर एवं सिर में चोट लगने से घायल हो

गया वही उसकी बाइक भी दीवार के नीचे दब गई। सोमवार सबेरे जेसीबी की मदद से मलबे को हटवा मार्ग को सुचारू किया गया।

कांग्रेस के युवा नेता व क्षेत्रवासी सिद्धार्थ सोनी ने दीवार ढहने के बाद लटक के विद्युत तारों व विद्युत व्यवस्था सुचारू करने को लेकर बिजली विभाग को फोन लगाया लेकिन सुबह तक स्थिति जस की तस बनी रही। इस पर सिद्धार्थ सीधे विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचे और विरोध जताया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार विभाग रात से फोन उठाने को तैयार नहीं, फोन उठाते भी है तो आधी बात दूर कांट देते है। सिद्धार्थ सोनी का कहना था कि विभाग ऐसी लापरवाही करेगा तो कोई जनहानि भी हो सकती है।

आर्मी ट्रक-कार में भिड़ंत, पिता व पुत्र की मौत

हादसे में मां व चालक घायल

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती शेरगढ़ तहसील के शेखाला गांव की सरहद में आर्मी ट्रक और कार की आमने-सामने भिड़ंत में पिता-पुत्र की मौत हो गई। जबकि मां और कार का चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया है।

थानाधिकारी शिवराज सिंह ने बताया कि बैंगलुरु का एक परिवार जिनमें 40 साल का अभिजीत पुत्र बद्रीलाल, उसकी पत्नी दीप्ति एवं चार साल का बेटा वियोम जोधपुर से एक कार टैक्सी किराया कर जैसलमेर की तरफ जा रहे थे। यहां शेखाला से दो किलोमीटर आगे टोल से पहले सामने से आ रहे एक आर्मी ट्रक से आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में अभिजीत

■ **घायलों को उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया**

और उसके चार साल के बेटे वियोम की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पत्नी दिप्ती और कार का चालक झालामंड जोधपुर निवासी दलपतसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर रैफर किया गया है। पत्नी दीप्ति और कार चालक की हालत गंभीर बनी है। जिन्से बात के बाद ही बयान लिए जा सकेंगे। बयान के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। दुर्घटना के बाद गाड़ियों को थाने भिजवाया गया है।

फैक्ट्री से 65 हजार की 15 डाई चोरी

मालिक ने चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर थाना क्षेत्र स्थित पेवर ब्लाक बनाने की फैक्ट्री में काम आने वाली 15 डाई चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित फैक्ट्री मालिक ने सोमवार को आदर्श नगर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ डाई चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। चोरी हुई डाई की कीमत 65 हजार रुपए बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आदर्श नगर थाना

■ **घटना रविवार देर रात के समय हुई चोरी का पता सोमवार सुबह चला**

क्षेत्र के परबतपुरा स्थित वार्ड संख्या 38 निवासी विक्रम सिंह पुत्र देवीलाल रावत ने थाने में शिकायत देते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज

रिपोर्ट में सिंह ने बताया कि उनकी टाइम्स व पेवर ब्लाक बनाने की फैक्ट्री तेजाजी चौक में स्थित है। फैक्ट्री में पेवर ब्लाक बनाने में काम आने वाली लगभग 15 डाई अज्ञात चोर चुरा ले गए हैं, जिनकी कीमत करीब 65 हजार रुपए है। घटना रविवार देर रात के समय हुई चोरी का पता सोमवार सुबह चला, जब वह फैक्ट्री गए। आदर्श नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निस्)। अज्ञात कारणों से युवक ने पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पति को लटका देखकर पत्नी के चिल्लाने पर आसपास लोग मौके पर पहुंचे और शव का नीचे उतारा। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। घटना दोवड़ा थाना क्षेत्र के वस्सी गांव में सोमवार सुबह हुई।

दोवड़ा थानाधिकारी ने बताया कि

वस्सी निवासी बंशीलाल साद की ओर रिपोर्ट दर्ज करवाई। बंशीलाल ने बताया कि उसका भाई चेतनलाल साद गांव में स्कूल के पास घर में रहता था। वह आज सुबह जल्दी उठकर घर से बाहर निकल गया। पत्नी उठी और पति के वापस नहीं जाने पर आस-पास तलाश करने लगी।

जब वह पति को तलाश करती हुई स्कूल से कुछ दूर गई तो एक पेड़ पर चेतनलाल को लोहे के तार से बने फंदे

पर लटका देखकर चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और चेतनलाल को नीचे उतारा। घटना की सूचना पर दोवड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया। जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। भाई की रिपोर्ट पर प्रकरण पेज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सड़क पर ट्रोला पलटा, बाइक सवार दो घायल दोनों घायलों को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया

सादुलपुर, (निस्)। निकटवर्ती गांव ढाणी कुम्हारन के पास एक दस चक्का ट्रोला का संतुलन बिगड़ने से सड़क पर पलट गया, जिससे ट्रोला की चपेट में आने से दो मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

गांव के कुरडाराम दमीवाल ने बताया कि गांव के नजदीक स्थित गोगामेडी मंदिर के पास सड़क पर खतरनाक मोड़ है तथा अनेकों बार गंभीर दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी। शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि सोमवार दोपहर बाद सादुलपुर की ओर से एक दस चक्का ट्रोला आ रहा था। वहीं मोटरसाइकिल पर सवार बास कांजण निवासी सोमबीर और कृष्ण कुमार अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर सादुलपुर से अपने गांव जा रहे थे। जैसे ही मोड़ के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे ट्रोले का संतुलन बिगड़ गया और पलट गया। ट्रोले की चपेट में आने से दोनों मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद दोनों घायलों को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं ग्रामीणों का



गांव ढाणी कुम्हारन के पास हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई।

आरोप है कि ट्रोले का चालक नशे में था। जिसके कारण घटना घटित हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटना का मौका निरीक्षण

किया है। इस संबंध में एसआई सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रोले के चालक को एक मोटरसाइकिल सवार ने हाथ

दिखा संकेत दिया था, जिसके कारण चालक कुछ समझ नहीं पाया और उसका संतुलन बिगड़ गया तथा ट्रोला सड़क पर पलट गया। लेकिन एक पेड़

के कारण दोनों मोटरसाइकिल सवार बाल-बाल बच गए, हालांकि दोनों को चोट जरूर लगी है, देर शाम तक मामला दर्ज नहीं हुआ था।



मारपीट के बाद नगदी छीनने के मामले में पुलिस ने पूछताछ की।

कारण वह रोड पर गिर गया तथा उसके ऊपर लाठियों व रॉड से हमला किया और बोले कि यह जिन्दा नहीं बचना

चाहिए। बंशीलाल ने पीकअप गाड़ी को उसके पेट के ऊपर से टायर निकाल दिया, जिससे वह बेहोशी की हालात

में आ गया तथा उसे बेहोशी की हालात में मरा हुआ समझ कर चले गये। जब उसे होश आया तो श्रीनाथ जी अस्पताल

सादुलपुर में रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

मारपीट कर नगदी छीनने का आरोप लगाया सिद्धमुख थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया

सादुलपुर, (निस्)। धोलिया गांव में घात लगाकर बैठे स्वीफ्ट डीजायर व एक बुलेट बाईक सवार एक नामजद व 4-5 लोगों द्वारा थार गाड़ी को रोककर चालक से हाथपाई कर मारपीट कर चैन व 20 हजार रूपये छीनने के आरोप का मामला सामने आया है।

वहीं सिद्धमुख थाने में विजेन्द्र पुत्र दीनदयाल निवासी किशनपुरिया बास

पुलिस थाना सिद्धमुख ने आज इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि

तीन दिसम्बर को रामसरा ताल से घर जा रहा था। तभी उसके गांव के मोड़ से पहले से घात लगाए बैठे मनोज पुत्र चानण शर्मा निवासी धोलिया व 4-5 अन्य लड़के जो एक स्वीफ्ट डीजायर व एक बुलेट बाईक पर सवार थे तथा वह थार महेन्द्रा गाड़ी से घर जा रहा था। आरोप है कि उन्होंने उसके आगे गाड़ी लगाकर रोककर उसके साथ हाथपाई की तथा उसको जान से मारने की कोशिश की। जिससे उसके मुंह पर चोट

आई तथा उसके गले में 7 ग्राम की चैन तथा 20 हजार छीन ली। जब उसने अपने बचाव में गाड़ी पीछे भागी तो उसकी गाड़ी खाई में धस गई। जिस पर वह गाड़ी छोड़कर जान बचाकर घर की तरफ भागा, फिर पीछे से उक्त लोग दुबारा भागे और बोले की जान से मारेंगे। अंधेरे का फायदा उठाकर वह बचते हुए पुलिस थाना पहुंचा। सिद्धमुख थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

बंधक बनाकर युवक से मारपीट

निर्वस्त्र का वीडियो बनाया, केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती बिलाड़ा कस्बे में रहने वाले एक युवक को बंधक बनाकर मारपीट करने और निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने का प्रकरण सामने आया है। पीड़ित युवक ने नामजद आरोपी के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दी है। इस बारे में पुलिस की तरफ से अब अग्रिम

अनुसंधान किया जा रहा है। बिलाड़ा पुलिस ने बताया कि एक युवक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि परिव्रादी और आरोपियों के बीच से आरोप के साथियों ने कमरों में बंधक बनाकर मारपीट की। आरोपियों ने उसे निर्वस्त्र कर वीडियो बनाया और

सार्वजनिक करने की धमकी दी। साथ ही उसके पास में रूपए थे जोकि आरोपियों ने छीन लिए। पुलिस ने बताया कि परिव्रादी और आरोपियों के बीच में किसी बात को लेकर अनबन होना प्रथम दृष्टया सामने आया है। फिलहाल प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

